पाठ 11

मड़ई–मेला

कंघी	चिल्लाना	मोहरी
मंगल	फुग्गा	मुश्किल

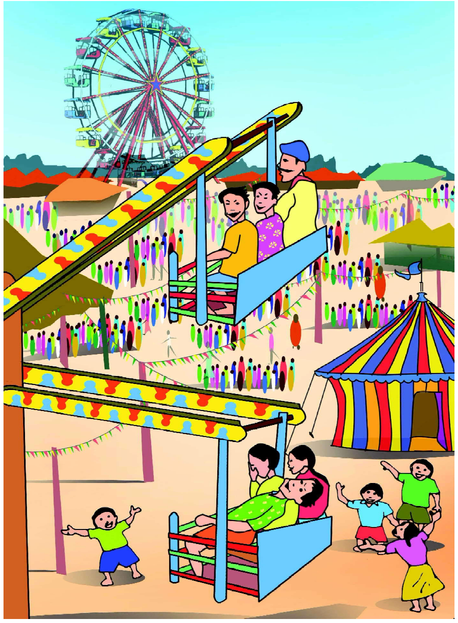

आज हमारे गाँव में मड़ई–मेला है। बुधिया, सुकवारो और संगीता आज सुबह से ही मेले में जाने के लिए तैयार हैं। चैतू, मंगल और समारू भी तेल, कंघी कर तैयार हैं। सभी बच्चे खाना खाकर मेला देखने चल पड़े।

वे मेले के करीब पहुँचे तभी उन्हें रहँचुली की आवाज सुनाई पड़ने लगी। जल्दी–जल्दी चलकर सब मेले में पहुँचे। सभी झूले के पास जाकर डट गए। जैसे ही झूला रुका सभी बच्चे बैठने के लिए कूद पड़े। बैठ जाने के बाद झूला शुरू हुआ। बच्चे खुशी से चिल्लाने लगे। समारू को बहुत डर लग रहा था। उसने अपना मुँह छुपा लिया था।

सभी झूला झूलकर वहाँ से आगे बढ़े। इतने में ही दफड़ा, निसान और मोहरी बाजे की आवाज सुनाई पड़ने लगी। सभी ओर खुशी का शोर उठा– ''मड़ई आ गई, मड़ई आ गई।''

सुंदर रंग–बिरंगी पोशाकों और फूल–मालाओं से सजे राउत लोगों का समूह दिखाई पड़ा। सभी लोग बाजे की धुन पर नाचते हुए आगे बढ़ रहे थे।

राउतों के मुखिया के हाथ में मड़ई थी। राउत लोग इसे गाँव से परघाकर मेले में लेकर आ गए थे। मड़ई को मेले में गाड़कर लोग उसकी पूजा करते रहे। राउतों का नाच बाजे–गाजे के साथ चल रहा था। अब मेला पूरी तरह से भर चुका था।

मेले में तरह–तरह की दुकानें थीं। रंगीन फुग्गों से मेले में बहार आ गई थी। बच्चों ने गुलगुला, भजिया, मुर्रा लाड़ू, करी लड्डू खरीदे और खाते हुए घूमते रहे। सुकवारो ने जलेबी खाई। समारू एक बड़ा–सा गन्ना खरीद लाया। गन्ने के टुकड़े बनाकर सभी गन्ना चूसते रहे।

सभी बच्चे खिलौने की दुकान पर पहुँच गए। सुकवारो ने जहाज़, संगीता ने गुड़िया और बुधिया ने रेल खरीदी। चैतू ने मोर, मंगल ने कार और समारू ने एक बड़ी गेंद ली। सब बच्चे घूम–घूमकर सामान खरीदते रहे। अंत में सभी ने तरह–तरह के फुग्गे खरीदे। सभी बच्चे एकत्र हो जाने के बाद वापस घर की ओर चल पड़े। वे बहुत खुश लग रहे थे।

शिक्षण संकेत :– संयुक्त वर्ण वाले शब्दों के उच्चारण एवं लेखन का अभ्यास करवाएँ। कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ। प्रश्नों के अभ्यास यथास्थान पेंसिल से करवाएँ। बच्चों को आरोह–अवरोह के साथ पढ़ना सिखाएँ।

शब्दार्थ

करीब	=	पास	पोशाक	=	पहनने के कपड़े
लाड़ू	=	लड्डू	एकत्र	=	इकट्ठे
रहचुली	=	एक प्रकार का झूला			
परघाकर	=	पूजा कर, स्वागत करके			
दफड़ा	=	ढप या ढपली की तरह का एक बाजा			
निसान	=	एक प्रकार का बाजा			
मोहरी बाजा	=	पिपिहरी, शहनाई की तरह का बाजा			

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

    करीब, पोशाक, एकत्र, मुश्किल, रहँचुली

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

    क. रहँचुली किसे कहते हैं ?

    ख. राउतों के मुखिया के हाथ में क्या था ?

    ग. मेले में लोग किसकी पूजा कर रहे थे ?

    घ. राउत लोगों की पोशाक कैसी थी ?

    ङ. बच्चों ने मेले में क्या–क्या खाया ?

3. निम्नलिखित चीजें किस रंग की होती हैं ? लिखो –

क.	पका टमाटर	लाल
ख.	श्यामपट	....
ग.	नीम के पत्ते	....
घ.	मूली	....
ङ	सूरजमुखी का फूल	....

4. खिलौने की इस दुकान से तुम क्या – क्या खरीदोगे –

____

____

5. तुमने मड़ई–मेले में क्या–क्या देखा ? लिखो –

____

____

5. तुम्हारे गाँव में मड़ई–मेला कब लगता है ? उसमें तुम क्या – क्या करते हो –

____

____

6. शब्दों की रेल –

7. 'मैं' या 'तुम' लगाकर वाक्य पूरे करो –

क. _______ रायपुर जा रहा हूँ।
ख. _______ नहा रहे हो।
ग. _______ पढ़ रहा हूँ।
घ. _______ रायपुर जाओ।
ङ _______ कहाँ जा रहे हो?

8. तुम मेले में जाते तो क्या–क्या खरीदते ?

9. गतिविधि :–

1. गत्ते, कागज और माचिस की खाली डिबिया से रहचुला बनाओ।
2. अपने गाँव/शहर के मेले का चित्र कापी में बनाओ।
3. मड़ई/मेले का भ्रमण कर अपना अनुभव सुनाओ।

36JTUA

36TPVX

पाठ 12

ऊँट चला

ऊँट	बोझ	फँसेगा
ऊँचा	गर्दन	करवट

ऊँट चला भई, ऊँट चला
हिलता–डुलता ऊँट चला।

इतनी लंबी टाँगों वाला
ऊँची लंबी गर्दन उसकी।

ऊँची गर्दन, ऊँची पीठ,
पीठ उठाए, ऊँट चला।

बालू है तो होने दो,
बोझ ऊँट को ढोने दो।

नहीं फँसेगा बालू में,
बालू में भी ऊँट चला।

जब थककर बैठेगा ऊँट,
किस करवट बैठेगा ऊँट?

बता सकेगा कौन भला?
ऊँट चला भई, ऊँट चला।

शिक्षण संकेत – कविता को लयपूर्वक गाएँ और बच्चों को दुहराने को बोलें। अपरिचित शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ। चंद्रबिंदु वाले शब्दों का उच्चारण करना सिखाएँ।

शब्दार्थ

भई – भाई   बालू – रेत

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

गर्दन, करवट, ऊँचा

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. ऊँट की गर्दन कैसी होती है?
ख. लंबी टाँगों वाले अन्य जानवर कौन–कौन–से हैं?
ग. ऊँट किस तरह की भूमि में भी चल सकता है?
घ. ऊँट की पीठ की बनावट कैसी होती है?
ड. ऊँट किस काम आता है?
च. सवारी के काम आने वाले जानवरों के नाम बताओ।
छ. यदि तुम्हारे घर ऊँट होता तो उससे तुम क्या–क्या काम लेते?

3. ऊँट से ऊँचे व छोटे चीजों तथा जीवों के नाम लिखो –

ऊँचे	छोटे
पेड़	खरगोश
____________	____________
____________	____________

4. चंद्रबिंदु वाले तथा बिना चंद्रबिंदु वाले शब्दों को छाँटकर अलग–अलग लिखो।

पूँछ, फूल, ऊन, झूठ, ऊँच, ठूँठ, खूँट, छूट, धूप, ऊँट, आँसू।

चंद्रबिंदु वाले शब्द	बिना चंद्रबिंदु वाले शब्द
________, ________	________, ________
________, ________	________, ________
________, ________	________, ________

5. गतिविधि :–

1. ऊँट का चित्र पत्र – पत्रिकाओं से काटकर अलग करो और उसे अपने पोर्टफोलियो में लगाओ तथा ऊँट का चित्र बनाओ –

2. अपने बड़ों से या गुरुजी से पूछकर ऊँट की दो ऐसी विशेषताएँ बताओ जो उसे अन्य किसी भी जानवर से अलग करती हैं।

6. झटपट कविता पढ़कर मजा लो ।

कुछ ऊँट ऊँचा

कुछ पूँछ ऊँची

कुछ ऊँचे ऊँट की

पीठ ऊँची

"ऊँट" शब्द जल्दी–जल्दी बोलकर देखो ।

जीभ लड़खड़ा गई न !

कैसी लगी कविता ? अब इस कविता को कोई नाम दो ।

ऊपर दी गई जगह में उसे लिखो।

7. बताओं इन्हें तुम्हारी भाषा में क्या कहते है पहचान कर नाम लिखो–

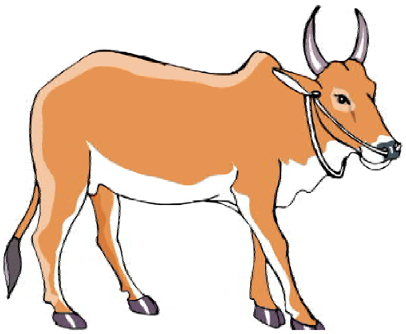

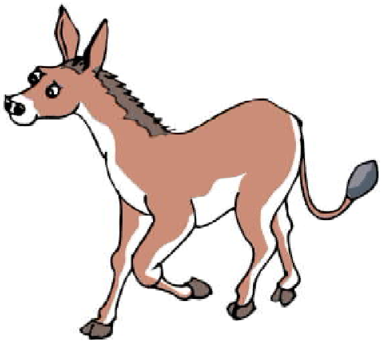

....

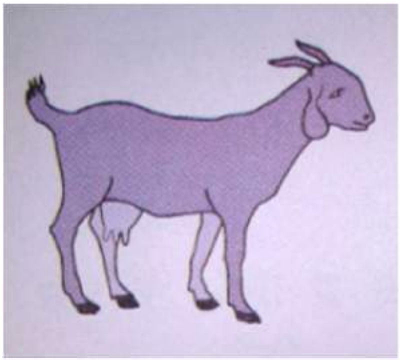

....

....

373KXK

आई एक खबर

दिल्ली	अंदर	मच्छर	मक्खी
बंदर	आँसू	टिड्डे	समंदर

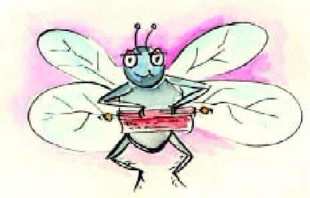

अभी खबर दिल्ली से आई,
मक्खी रानी उसको लाई।
टिड्डे ने हाथी को मारा,
हाथी क्या करता बेचारा?

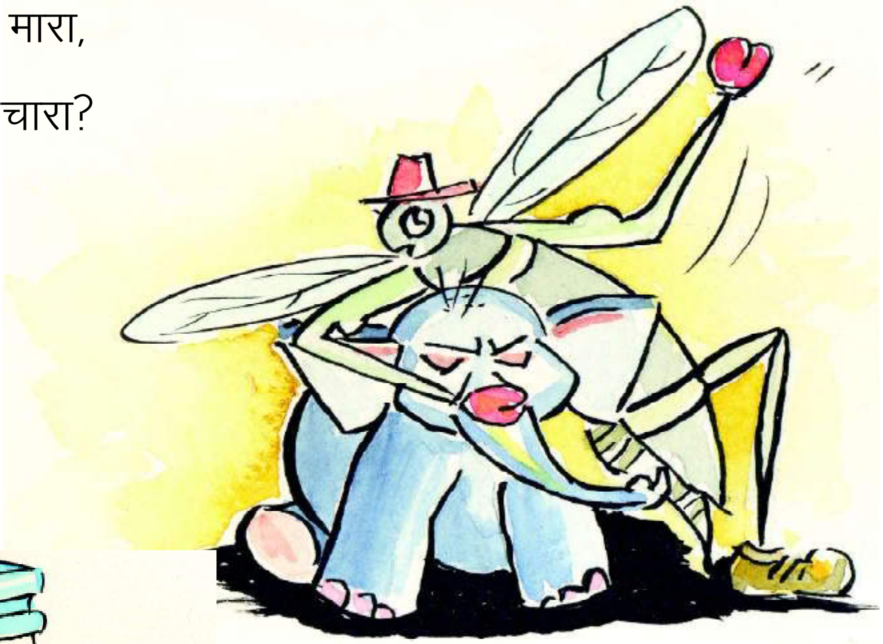

घुस बैठा मटके के अंदर,
मटके में थे ढाई बंदर।
उन्हें देखकर हाथी रोया,
रोते–रोते फिर वह सोया।

रुकी नहीं आँसू की धारा,
मटका बना समंदर खारा।
लगे डूबने हाथी बंदर,
फँसे हुए थे उसके अंदर।

रोना सुनकर आया मच्छर,
लात जमाई उसने कसकर।
मटका फूटा बहा समंदर,
निकल पड़े सब हाथी, बंदर।

शिक्षण संकेत :– कविता का उचित लय के साथ पाठ करें और बच्चों से दुहराने के लिए कहें। संयुक्ताक्षर वाले शब्दों का अभ्यास करवाएँ। पाठ के बाद अनुस्वार – तथा आधे 'न' (न्) को आपस में बदलकर शब्द लिखवाएँ। जैसे – 'अन्दर से अंदर'। चित्रों का उपयोग करें। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

खबर = समाचार समंदर = सागर, समुद्र

ढाई = दो और आधा मिलाकर बनी संख्या

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा/बोली में बताओ –

   खबर, समंदर, ढाई, अंदर,

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो –

   क. मटका कितना बड़ा रहा होगा ?

   ख. ढाई बंदर कैसे हुए होंगे ?

   ग. मटका कैसे फूटा ?

3. वाक्यों में प्रयोग करो – मटका, बंदर

4. उदाहरण देखो। ऐसे कुछ और शब्द लिखो।

   उदाहरण– धारा चारा खारा

   अंदर ———————, ———————, ———————

   लात ———————, ———————, ———————

5. तीन अक्षर वाले शब्दों के बीच के अक्षरों को बदल–बदलकर नए–नए शब्द बनाओ और लिखो, जैसे– जमाई।

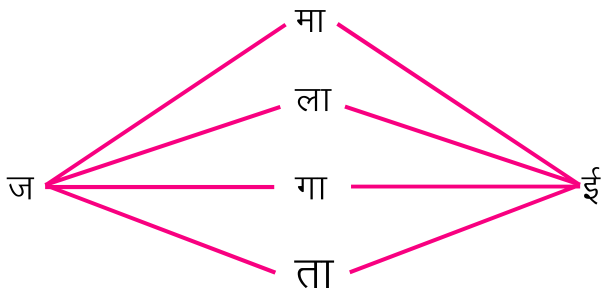

———————

———————

———————

———————

6. कविता में आए संयुक्ताक्षर वाले शब्दों को छाँटकर लिखो।

जैसे– मक्खी, ——————— |, ——————— |,

——————— |, ——————— |,

7. गतिविधि :–

1. बंदर से संबंधित कहानी ढूँढ़ो और कक्षा में अभिनय करो ।
2. तुम्हें खबरें कहाँ–कहाँ से मिलती हैं ।
3. अपने गाँव में हुई किसी घटना की खबर सुनाओ ।
4. शिक्षक कक्षा में ''**आज की बात**'' गतिविधि करवाएँ ।

37LD1V

पाठ 14

चूहे को मिली पेंसिल

37V93I

पेंसिल	ढूँढ़	आखिरी	अजीब

एक बार एक चूहा खाने के लिए कुछ ढूँढ़ रहा था।

1

उसे एक पेंसिल मिली। चूहा पेंसिल लेकर उसे उलट–पलट कर देखने लगा।

2

''मुझे छोड़ दो, मुझे जाने दो'' ,पेंसिल चूहे से गिड़गिड़ाकर बोली, ''मैं तुम्हारे किस काम की हूँ, लकड़ी का टुकड़ा हूँ। खाने में भी अच्छी नहीं लगूँगी।''

3

''मैं तुम्हें कुतरूँगा,'' चूहे ने कहा।

''मुझे अपने दाँत पैने और छोटे रखने के लिए हमेशा कुछ–न–कुछ कुतरना पड़ता है।'' और चूहे ने पेंसिल कुतरना शुरू कर दिया।

''उई! मुझे दर्द हो रहा है। तुम मुझे आखिरी चित्र बना लेने दो, फिर तुम चाहे जो करना।''

4

''ठीक है,'' चूहे ने कहा। ''तुम चित्र बना लो; फिर मैं चबाकर तुम्हारे टुकड़े–टुकड़े कर दूँगा।''

पेंसिल ने ठंडी साँस ली। फिर उसने एक बड़ा–सा गोला बना दिया।

5

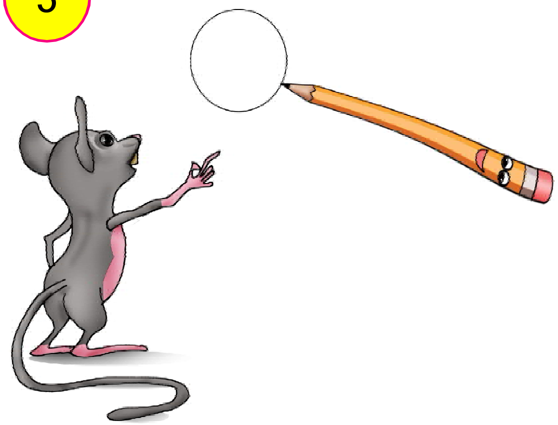

''यह क्या पनीर का टुकड़ा है?'' चूहे ने पूछा।

''हाँ, हम इसे पनीर ही कहेंगे'' पेंसिल ने कहा।

(6)

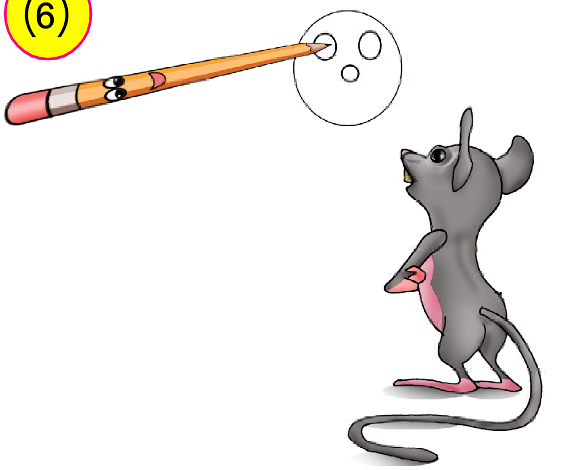

फिर पेंसिल ने बड़े गोले के अंदर तीन छोटे गोले बना दिए।

''हाँ, अब यह पनीर ही लग रहा है।'' चूहे ने कहा। ''इसमें तो छेद नजर आ रहे हैं।''

7

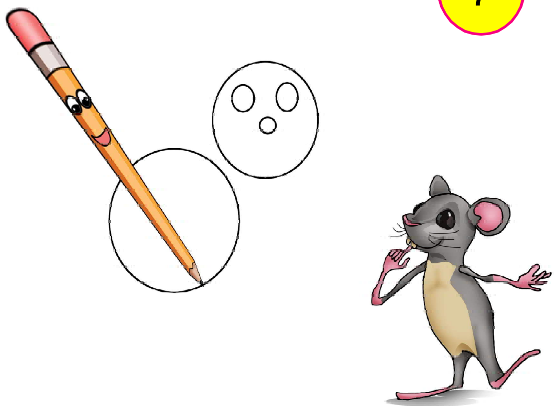

''चलो, हम इन्हें पनीर में छेद बोलेंगे।'' पेंसिल ने मान लिया और उसने बड़े गोले के नीचे एक और बड़ा गोला बनाया।

''अरे, यह तो सेब है,'' चूहा चहका। ''हाँ, इसे सेब कह लेते हैं,'' पेंसिल ने कहा।

8

पेंसिल फिर दूसरे बड़े गोले के पास कुछ अजीब–से चित्र बनाने लगी।

''अरे, वाह! अब तो मजा ही आ गया। यह तो चमचम है।''

9

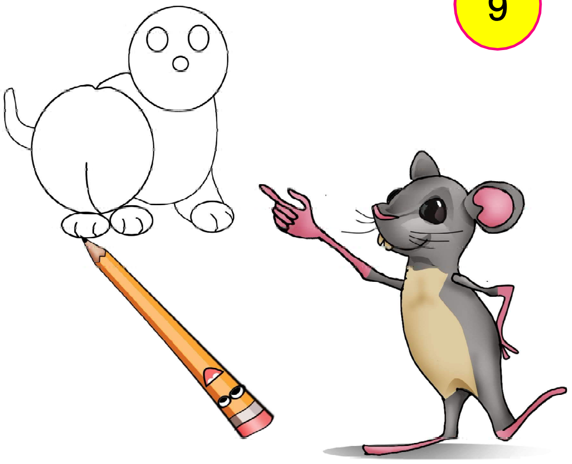

चूहे के मुँह में पानी आने लगा। ''जल्दी करो! मुझे खाना है।''

पेंसिल ने ऊपरवाले गोले के ऊपर दो छोटे तिकोन बना दिए।

10

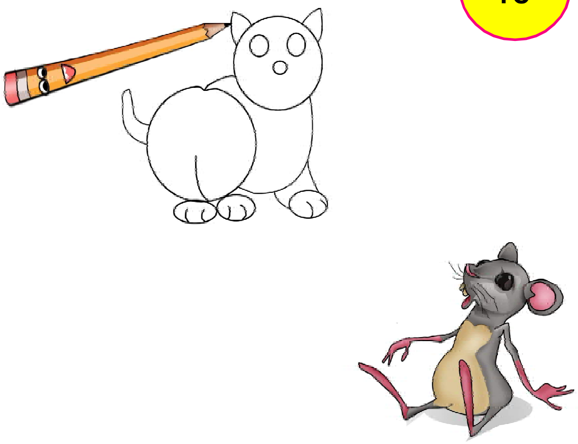

''अरे, अरे'' चूहा चीखा। ''अब तो तुम उसे बिल्ली की तरह बनाने लगीं। और आगे मत बनाओ।''

लेकिन पेंसिल बनाती गई। उसने ऊपर के गोले पर लम्बी–लम्बी मूँछें और मुँह बनाया।

11

चूहा डरकर चिल्लाया, ''अरे, बाप रे! यह तो बिल्कुल असली बिल्ली लग रही है। बचाओ।''

ऐसा कहकर वह भागकर अपने बिल के अंदर घुस गया।

12

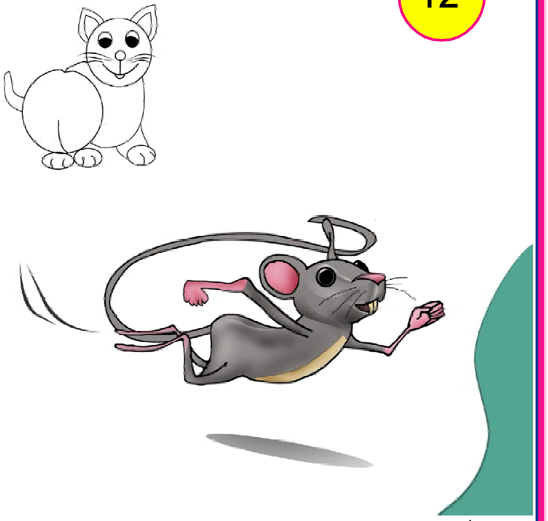

क्या तुम भी एक बिल्ली का ऐसा चित्र बना सकते हो, जिसे देखकर चूहा डर जाए?

शिक्षण संकेत :– चित्र–कथा को बच्चों को समूह में पढ़ने दें। बच्चों से चूहे–बिल्ली की आदतों पर चर्चा करवाएँ। मिकी माउस के बारे में बच्चों को जानकारी दें/लें, उसका चित्र प्रदर्शित करें। घरेलू, पालतू–पशुओं और जीवों के नाम लिखवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

गिड़गिड़ाना	=	विनती करना	तिकोन	=	तीन कोनेवाला
ठंडी साँस लेना	=	राहत पाना	भागकर	=	दौड़कर
आखिरी	=	अंतिम	पैने	=	नुकीले, धारदार
अजीब	=	विचित्र	दर्द	=	पीड़ा
कुतरना	=	दाँत से काटना			
पनीर	=	दूध फाड़कर बनाया गया एक पदार्थ			
चमचम	=	दूध या छेने से बनी मिठाई			

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

कुतरना, अजीब, पैने, दर्द, पनीर

2. इन प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. चूहा पेंसिल क्यों कुतरना चाहता था?

ख. बड़ा–सा गोला चूहे को कैसा दिखाई पड़ा?

ग. चमचम क्या होता है?

घ. पेंसिल ने किसका चित्र बनाया?

ङ चित्र देखकर चूहे ने क्या किया?

3. चूहे अथवा बिल्ली पर कोई कविता याद हो तो सुनाओ।

4. सही शब्द छाँटकर खाली स्थान भरो –

(कुतरना, भागकर, चिल्लाया, आखिरी, तीन)

क. चूहा ––––––––––––––––– दूसरे बिल में घुस गया।

ख. चूहे ने पेंसिल –––––––––––– शुरू कर दिया।

ग. पेंसिल ने कहा,– "मुझे एक ———————— चित्र बना लेने दो।''

घ. फिर पेंसिल ने बड़े गोले के अंदर ———————— छोटे गोले बना दिए।

ङ. चूहा डरकर ————————————————, "अरे बाप रे!"

5. शब्दों का खेल।

ता	ज	म	ह	ल

ऊपर दिए गए ताजमहल शब्द के वर्णों से कुछ नये शब्द बने हैं जैसे –

ताज, महल, लता, हल, ताल, मल

इसी तरह नीचे लिखे शब्द में से तुम भी कुछ शब्द बनाओं –

क	म	ल	क	क	ड़ी

6. पढ़ो और समझो।

क.	बिल्ला	–	बिल्ली	चूहा	–	चुहिया
	घोड़ा	–	घोड़ी	भैंसा	–	भैंस
	बकरा	–	बकरी	गाय	–	बैल

ख.	मेरा	मेरी	मेरे
	हमारा	हमारी	हमारे
	तुम्हारा	तुम्हारी	तुम्हारे

7. रंग – बिरंगे कागज के टुकड़े करके चूहे के चित्र में चिपकाओ।

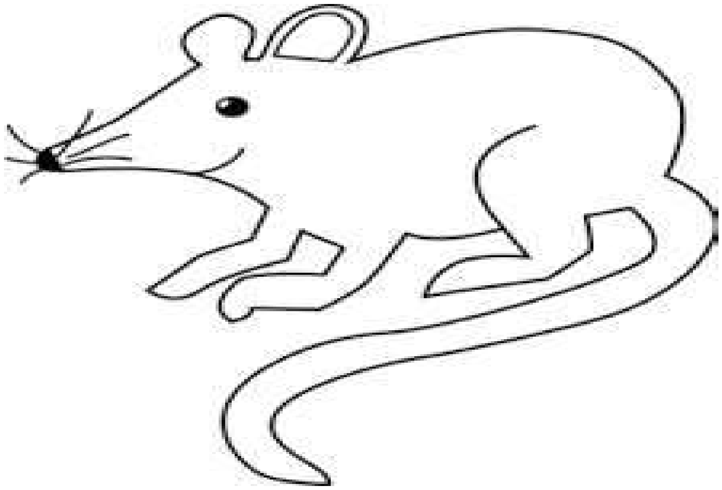

385556

पाठ 15

धूप

कण	पर्वत	आँगन	पंछी	पत्ते	पंख

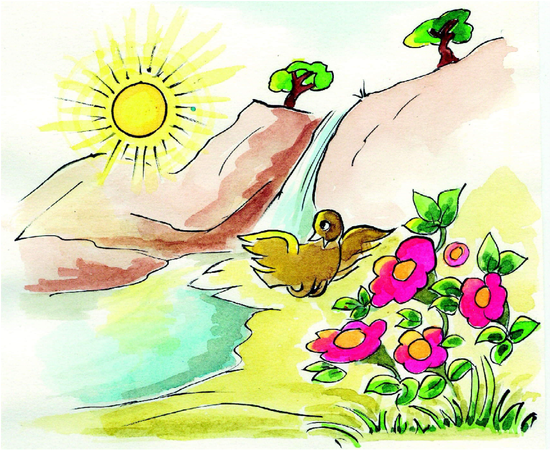

बीती रात हुआ उजियारा
घर–आँगन में उतरी धूप।
कण–कण में, पत्ते–पत्ते पर
हँसती–गाती बिखरी धूप।
पर्वत की चोटी पर उछली
झरनों के सँग खेली धूप।
सागर की लहरों पर नाची
सबकी बनी सहेली धूप।

पंछी के पंखों पर चमकी
फूलों पर लहराई धूप।
धरती के कोने–कोने तक
देने लगी दिखाई धूप।

शिक्षण संकेत :– शिक्षक कविता का वाचन सस्वर, उचित यति–गति, लय तथा हाव–भाव के साथ करें और बच्चों से दुहराने को कहें। सूरज के साथ प्राकृतिक दृश्यों वाले चित्र का उपयोग कर पाठ को पढ़ाएँ। कठिन शब्दों को पूछकर बच्चों से ही उनके अर्थ निकालवाने का प्रयास करें। यथा अनुसार विलोम शब्द, वाक्य प्रयोग इत्यादि द्वारा उनकी सहायता भी करें। पाठ के अनुकरण वाचन की आवृति 4–5 बार हो। शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

बीती = समाप्त हुई। पंछी = चिड़िया। सहेली = सखी, मित्र।
पर्वत = पहाड़। कण = बहुत छोटा टुकड़ा

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –
   पंछी, सहेली, पर्वत
2. इन प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में बताओ –
   क. रात बीतने पर क्या हुआ ?
   ख. पर्वत की चोटी पर क्या उछली ?
   ग. पंछी के पंख कैसे चमके ?
   घ. कौन सबकी सहेली बन गई है ?
3. कविता की पंक्तियों को पूरा करो।
   क. बीती रात हुआ ------------------------------
   ख. झरनों के संग ------------------------------
   ग. --------------- की लहरों पर नाची।
   घ. धरती के कोने–कोने तक -----------------------
4. पाठ में आए जोड़े वाले शब्द छाँटकर लिखो, जैसे– घर–आँगन
   -------------- ------------
   -------------- ------------
5. उल्टे अर्थ वाले शब्दों को ध्यान से पढ़ो।

सुबह	–	शाम	उतरी	–	चढ़ी
नई	–	पुरानी	आई	–	गई
धूप	–	छाँव	हँसना	–	रोना

6. का, की, के, को मिलाकर शब्द बनाओ और पढ़ो।

	का	की	के	को
उस	उसका	उसकी	---------	--------
किस	----------	----------	---------	--------
सब	----------	----------	---------	--------

गतिविधि :–

1. सूरज, चिड़िया और फूल के चित्र बनाओ।
2. किसी प्राकृतिक दृश्य का चित्र बनाकर अपने पोर्टफोलियो में लगाओ।

38HH8G

पाठ 16

छोटे–छोटे कदम

कदम, खूब, सुंदर

छोटे–छोटे कदम हमारे,
आगे बढ़ते जाएँगे।
पढ़ना कभी न छोड़ेंगे हम,
हर दिन पढ़ने जाएँगे।

छोटे–छोटे हाथ हमारे,
गड्ढे खूब बनाएँगे।
इन गड्ढों में अच्छे, सुंदर,
पौधे खूब लगाएँगे।

घर–आँगन को साफ रखेंगे,
गलियाँ साफ बनाएँगे।
कैसे जीना हमें चाहिए,
जीकर हम दिखलाएँगे।

शिक्षण–संकेत – बच्चों को लय के साथ कविता पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। वे अपनी अलग लय के साथ भी पढ़ सकते हैं। बच्चों को बताएँ कि कोई भी कार्य छोटा नहीं होता। उन्हें यह भी बताएँ कि मेहनत करने से कभी घबराना नहीं चाहिए, जो काम हाथ में लें उसे पूरा करके ही छोड़ना चाहिए। कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

कदम = पग, खूब = बहुत

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ–

   कदम, आँगन, मेहनत, घबराना

2. इन प्रश्नों के उत्तर बताओ –

   क. पढ़ना क्यों जरूरी है?
   ख. पेड़–पौधों से हमें क्या लाभ हैं?
   ग. घर, सड़क, स्कूल सभी जगह सफाई क्यों जरूरी है?
   घ. कविता में किसके बारे में बात कही गई है?

3. निम्नलिखित शब्दों से एक–एक वाक्य बनाकर बोलो –

   मेहनत, फूल, गड्ढा, आँगन

4. पढ़ो, समझो और लिखो –

गली	– गलियाँ	पेड़	– पेड़ों
कली	–	बैल	–
सखी	–	घर	–
चक्की	–	दिन	–

5. अपने बारे में लिखो –

6. पढ़ो और समझो –

जाना –	मैं जाता हूँ।	तुम जाते हो।	वह जाता है।
पढ़ना –	मैं पढ़ता हूँ।	तुम पढ़ते हो।	वह पढ़ता है।
लिखना –	....	....	....
हँसना –	....	....	....
देखना –	....	....	....

7. पाठ में जिन शब्दों में क, ह, ग, का उपयोग हुआ है, उन्हें लिखो– जैसे –

क – कदम, ———————— ————————

ह – हम, ———————— ————————

ग – गलियाँ, ———————— ————————

8. अपने स्कूल के बारे में लिखो।

396NBR

पाठ 17

चित्रकोट जलप्रपात

मनोरम	जलप्रपात	संगीत
अस्त होना	बैठक कक्ष	आनंद

ऋचा और रजनीश छुट्टियों में बस्तर घूमने आए हैं। इनके मामा जगदलपुर में रहते हैं। मामा की बैठक कक्ष में चित्रकोट जलप्रपात का एक बहुत बड़ा चित्र टँगा था। रजनीश ने मामा से पूछा, ''मामा जी! प्रपात का यह चित्र कहाँ का है?''

मामा ने कहा – ''अरे! यह चित्र तो बस्तर के ही जलप्रपात का है। हम तुम्हें कल यह प्रपात दिखाने ले चलेंगे।''

दूसरे दिन मामा किराए की जीप लेकर आ गए। सभी लोग तैयार होकर बैठे थे। जल्दी ही सब जीप में सवार हो गए। चित्रकोट जगदलपुर से लगभग 40 किलोमीटर दूर है। जीप 1 घंटे में चित्रकोट पहुँच गई। जलप्रपात अब उनके सामने था।

लगभग 30 मीटर (100 फीट) की ऊँचाई से इन्द्रावती नदी यहाँ गिरती है। जलधारा यहाँ दूध की तरह दिखाई दे रही थी। नीचे जहाँ धारा गिर रही थी, वहाँ से धुआँ–सा उठता दिखाई दे रहा था। पानी के गिरने से जो शोर हो रहा था, वह संगीत का आनंद दे रहा था। हवा के कारण जल की नन्ही–नन्ही बूँदें बड़ा आनंद दे रहीं थीं।

अब मामा के साथ सब लोग नीचे की तरफ आ गए। यहाँ से जलप्रपात और भी मनोरम लग रहा था। सभी लोग जाकर एक चट्टान पर बैठ गए। सबने वहीं बैठकर खाना खाया। वे सब वहीं बैठे–बैठे प्रपात का आनंद लेते रहे।

सूर्य अब अस्त होने ही वाला था। मामा ने कहा, ''यहाँ से हटने का जी तो किसी का नहीं है, पर अब हमें चलना चाहिए। मामा की आज्ञा थी।

चित्रकोट जलप्रपात

सबने चलते–चलते प्रपात को फिर देखा। अब वे सब जीप की ओर बढ़ रहे थे। चित्रकोट का दृश्य वे सब कभी न भूल पाए।

शिक्षण संकेत :– चित्रकोट के जलप्रपात का चित्र प्रदर्शित करें। बच्चों से चित्र के संबंध में प्रश्न पूछें। पानी की बूँदें कैसी दिखाई दे रही थीं। पानी की धारा कैसी ध्वनि कर रही थी। चर्चा करें। पाठ पढ़ने के लिए हर विद्यार्थी को अवसर दिया जाए। पाठ में आए कठिन शब्दों को उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

जलप्रपात = चट्टानों को ऊपर से नीचे काटते हुए गिरता हुआ पानी

मनोरम = मन को अच्छा लगने वाला

संगीत	=	गाना	चट्टान	=	बड़े–बड़े पत्थर
अस्त होना	=	छिप जाना	दृश्य	=	जो दिखाई पड़ता है।
आनंद	=	खुशी	आज्ञा	=	आदेश

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

   मनोरम, जलप्रपात, अस्त होना, आनंद, संगीत

2. इन प्रश्नों के उत्तर दो –

   क. चित्रकोट जलप्रपात जगदलपुर से कितनी दूर है ?

   ख. चित्रकोट किस नदी का जलप्रपात है ?

   ग. तुम्हारे मामा कहाँ रहते हैं ?

3. पढ़ना, लिखना, शीतल, बस–स्टैंड, धारा का प्रयोग करते हुए एक–एक वाक्य बोलो।

4. सही शब्द चुनकर खाली जगह में लिखो –

   (अस्त, जलप्रपात, आनंद, मनोरम दृश्य)

   क. चित्रकोट का –––––––––––– उनकी आँखों के आगे था।

   ख. वहीं बैठे–बैठे वे प्रपात का ––––––––––– ले रहे थे।

   ग. सूर्य अब ––––––––– होने ही वाला था।

   घ. यह ––––––––– का चित्र कहाँ का है?

5. पढ़ो और समझकर लिखो।

मेरा	–	मेरे	स्थान	–	स्थानों
हमारा	–	––––––	मकान	–	––––––––
तुम्हारा	–	––––––	दुकान	–	––––––––
उसका	–	––––––	पहाड़	–	––––––––
किसका	–	––––––	सड़क	–	––––––––

6. सोचो, समझो और लिखो।

	मैं	हम	तुम	वह	वे
खाना	खाता हूँ।	खाते हैं।	खाते हो।	खाता है।	खाते हैं।
गाना	––––––	––––––	––––––	––––––	––––––
खेलना	––––––	––––––	––––––	––––––	––––––
दौड़ना	––––––	––––––	––––––	––––––	––––––

7. इन शब्दों के उल्टे अर्थ वाले शब्दों को लिखो –

जल्दी	–	दिन	–
ऊँचा	–	जागा	–
नीचे	–	प्रश्न	–
गिरना	–	आना	–
हाँ	–		

8. गतिविधि :–

’मामा’’ शब्द को उल्टा लिखने पर ‘मामा’ ही बनता है। ऐसे ही दूसरे शब्द बनाओ।

9. क्या तुमने कभी कोई नदी, झरना या जलप्रपात देखा है? उसके बारे में लिखो।

39PFF2

पाठ 18

39YBGP

क्या है उसका नाम ?

पक्षी,	अक्षर,	तड़के,	कलगी,	मानुष,	पूँछ

1. बड़े सवेरे घर की छत पर, मिलता गाँव–गाँव।
काले रंग का पक्षी होता, करता काँव–काँव।।
बोलो क्या है उसका नाम –––––– ?

2. चाँदी जैसी खूब चमकती, घर है उसका पानी।
तीन अक्षर का नाम निराला, है वह जल की रानी।।
बोलो क्या है उसका नाम –––––– ?

3. कुकड़ूँ–कूँ बोला करता है, रोज सवेरे तड़के।
सिर पर लाल–लाल कलगी है, चलता खूब अकड़ के।।
बोलो क्या है उसका नाम –––––– ?

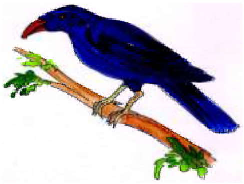

4. जंगल का राजा कहलाता, खाकर माँस गरजता।
उसे देखकर सब छिप जाते, पत्ता नहीं खड़कता।।
बोलो क्या है उसका नाम –––––– ?

शिक्षण संकेत – इस पाठ में पहेलियाँ पूछी गई हैं। पहेलियों से बच्चे परिचित हैं। हर पहेली को बच्चों से पढ़वाएँ। उत्तर के लिए संकेत दें और पहेली का हल पाठ्यपुस्तक में दिए गए स्थान पर पेंसिल से लिखवाएँ। कुछ अन्य पहेलियाँ पूछने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करें। कक्षा में दो दल बनाकर बच्चों से परस्पर पहेलियाँ पूछने को कहें। बच्चों को पहेली का भाव समझाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

5. पेड़ों पर वह उछले–कूदे, झुंड बनाकर रहता।
मानुष जैसी काया उसकी, पूँछ झुलाता रहता।।
बोलो क्या है उसका नाम –––––– ?

6. रंग–बिरंगे पंखोंवाली, फूलों पर मँडराती।
हाथ बढ़ाओ तो उड़ जाती, हाथ नहीं वह आती।।
बोलो क्या है उसका नाम –––––– ?

7. नदी किनारे बैठा रहता, मछली खाना काम।
लंबी टाँगें, लंबी गर्दन, बोलो जी क्या नाम ?
बोलो क्या है उसका नाम –––––– ?

शब्दार्थ

पक्षी	=	चिड़िया	अकड़ना	=	ऐंठना
मानुष	=	मनुष्य, आदमी	काया	=	शरीर
निराला	=	अनोखा	हाथ आना	=	प्राप्त होना
कलगी	=	मुर्गे की चोटी	पत्ता नहीं खड़कना	=	पूर्ण शांति होना
खड़कना	=	खड़–खड़ की आवाज होना			

शब्दार्थ

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

पक्षी, अक्षर, तड़के, कलगी, मानुष, पूँछ

2. रेखा खींचकर सही जोड़ी बनाओ।

काँव–काँव	–	बंदर
कुहू–कुहू	–	मुर्गा
खों–खों	–	कौआ
टें–टें	–	कोयल
कुकडूँ–कूँ	–	तोता

3. एक–एक शब्द में उत्तर लिखो – उत्तर

क. लाल कलगी किसके सिर पर होती है ? ....

ख. फूलों पर कौन मँडराता है ? ....

ग. कौन जंगल का राजा कहलाता है ? ....

घ. जल की रानी किसे कहते हैं ? ....

ङ. पेड़ों पर उछल–कूद कौन करता है ? ....

4. समान तुक वाले शब्द लिखो।

जैसे– पाला – माला – ताला – नाला

ऐसी – ————————, ————————, ————————

आता – ————————, ————————, ————————

राजा – ————————, ————————, ————————

खाना – ————————, ————————, ————————

5. गतिविधि :–

दिए गए पशु–पक्षियों के बोलने का अभिनय करो–

क. कौआ –

ख. कोयल –

ग. गाय –

घ. गधा –

ङ. शेर –

च. मेंढक –

6. चित्र बनाओ।

तितली, मछली

7. शाला के आसपास आपको कौन – कौन से जानवर या पक्षी दिखाई देते हैं – लिखो।

पक्षी ....

जानवर ....

8. परिवेशीय पहेलियाँ बच्चों से बुलवाएँ –

कम से कम दो पहेलियाँ बच्चे घर से पूछकर आएँ।

9. विभिन्न पत्र – पत्रिकाओं से पक्षियों और जानवरों के चित्र खोजकर उन्हें अपनी कापी में चिपकाओ और उनके नाम लिखो ।

3HY3AU

3I7YCH

पाठ 19

साहसी बनो

प्रसिद्ध, दृश्य, हिम्मत, व्यक्ति

गंगा नदी के किनारे एक प्रसिद्ध शहर है बनारस। बात काफी पुरानी है। उन दिनों बनारस में गंगा के घाट पर बहुत अधिक बंदर हो गए थे। वे इतने निडर थे कि लोगों के हाथ से सामान छीन लेते थे। खाने का सामान तो वे छोड़ते ही नहीं थे।

एक दिन की बात है। नरेन्द्र नाम का एक लड़का बाजार से वापस आ रहा था। उसने कंधे पर एक झोला लटका रखा था। नरेन्द्र थोड़ी दूर ही गया होगा कि एक बंदर उसके पीछे लग गया। बंदर को पीछे आते देख नरेन्द्र ने अपनी चाल बढ़ा दी। बंदर भी तेज चलने लगा।

बंदर को करीब आते देख नरेन्द्र भागने लगा। इस सारे दृश्य को एक सज्जन देख रहे थे। उन्होंने नरेन्द्र को भागने से रोका और कहा– ''भागते क्यों हो?''

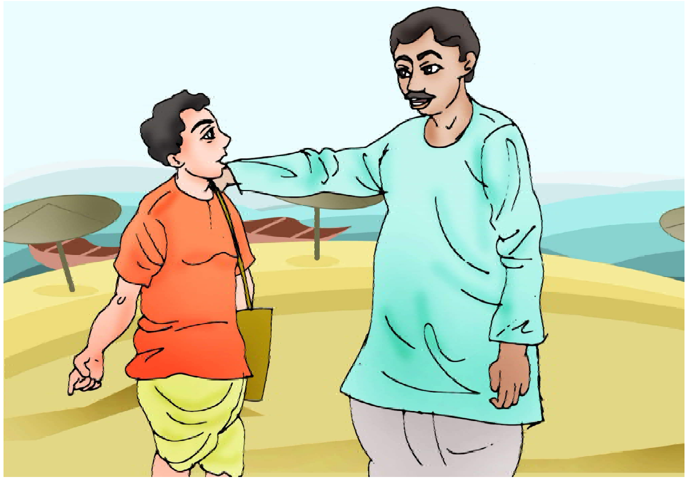

नरेन्द्र बोला– ''क्या करूँ, बंदर पीछे पड़ा है।'' उस व्यक्ति ने कहा– ''डरकर भागो मत। तुम डर रहे हो इसलिए वह डरा रहा है। रुको, खड़े होकर हिम्मत से उसका मुकाबला करो।''

नरेन्द्र ने हिम्मत दिखाई। वह खड़ा हो गया। उसके खड़े होते ही बंदर भी खड़ा हो गया। नरेन्द्र ने अपना झोला उठाया और मारने दौड़ा। नरेन्द्र को अपनी ओर आता देखकर बंदर भाग गया। बालक को साहस की यह नई सीख मिली। वही बालक नरेन्द्र आगे चलकर दुनिया में स्वामी विवेकानंद के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

शिक्षण संकेत – स्वामी विवेकानंदजी का चित्र कक्षा में दिखाएँ। उनके विषय में संक्षेप में बताएँ। बच्चों को बताएँ कि एक बार अमेरिका में संसार के धर्मों के संदर्भ में एक बहुत बड़ी सभा हुई उसमें स्वामी जी ने जो भाषण दिया उसे दुनियाभर के लोगों ने सराहा। साहस और दुस्साहस में अंतर उदाहरण देते हुए समझाएँ।

शब्दार्थ

प्रसिद्ध	=	मशहूर	सज्जन	=	अच्छा आदमी
हिम्मत	=	साहस	साहसी	=	निडर होने का गुण
मुकाबला	=	सामना करना			

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में बताओ –

क. बनारस का दूसरा नाम क्या है ?

ख. स्वामी विवेकानंद के बचपन का नाम क्या था ?

ग. नरेन्द्र क्यों दौड़ रहा था ?

घ. अगर बालक बंदरों से डरकर भागता रहता तो क्या होता ?

ड. अगर कुत्ता तुम्हारे पीछे दौड़े तो तुम क्या करोगे ?

च. स्वामी विवेकानंद भारत के महान पुरुष थे। अपने प्रदेश के किसी एक महापुरुष का नाम बताओ।

2. नीचे अधूरे शब्द दिए गए हैं। ढ़, ड़ लिखकर शब्द पूरे करो–

1. च......	2. प......	3. ब......
4. च......ना	5. प......ना	6. ब......ना
7. दौ......ना	8. ल......का	9. पक......ना

3. नीचे लिखे कथन तुम्हारे अनुसार सही हैं या गलत। लिखो।

क. बाजार में नरेन्द्र बंदर के पीछे लग गया। (————————)

ख. बंदर नरेन्द्र का झोला लेकर भाग गया। (————————)

ग. बंदर नरेन्द्र से डरकर भाग गया। (————————)

4. आओ शब्दों की अंताक्षरी बनाएँ –

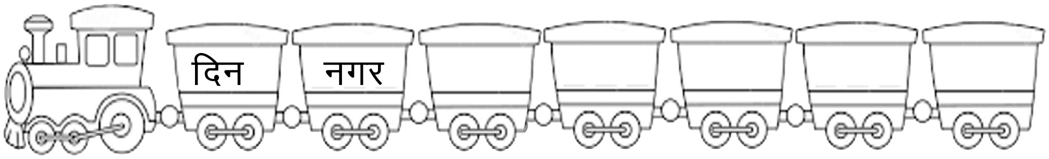

परिशिष्ट

विभिन्न भाषाओं की शब्दावली

हिन्दी	छत्तीसगढ़ी	गोंडी (दंतेवाड़ा)	हल्बी	गोंडी (कांकेर)	सरगुजिहा	कुँडुख
पाठ–2 गुड़िया रानी की शादी						
सहेलियाँ						
मित्रता	मिताई	संगवारि	मित	गोत	संगता	संगवारी
गुड़िया	पुतरी	नुनी	पुतरी	पुतरी(खिलौना)	पुतरी	पुतली
गुड्डा	पुतरा	पुतरा	पुतरा	पुतरा	पुतरा	पुतला
बगीचा	बगाइचा	–	बाड़ी	बनबाड़	फुलवारी	बगीचा
पास–पास	तीर–तीर	–	लगे–लगे	हेरे–फेरे	लिघे–लिघे	हेद्दे–हेद्दे
तय करना	तय करना	–	सोर–होलोर	कूर–कियना	निठुर	तय नन्ना
शादी	बीहाव	–	विया	मरमिंग	बियाह	बेंजा
जुट जाना	जुटना	लगेम आयनाद	भिड़ना	–	जुटना	लगना
माँ	दाई	–	टोपा	लगे–मायना	दाई	अयंग
मदद माँगी	मदत माँगना	सहायता तलकानाद	सायता मांगली	संगतलिक्त (स्त्री)	मदेत मांगीस	सहाड़ा–नेया
निमंत्रण	मदत माँगिस	करगंनाद	नेवता	केयना कबीर	नेवता	नेवता
फूल	फूल	फूंगार	फूल	मुगार	फूल	पूंप
माला	माला	नेरेक	माला	नेर्क	माला	माला
भैया	भइया	दादा	दादा	दादा	ददा	कोहां दादा
मिठाई	मिठाई	मिटेय	मिठई	सरबोन	मिठई	मिठाई
घर	घर	लोन	लोन	लोन	घर	एड़पा
पंडित	महराज	–	वामन	–	पंडित	बैगा
ढोलक	ढोलकी	–	ढोल	–	ढोलकी	ढुलकी
बधाई गाना	बधई गाना	–	–	–	बधाई गाना	बेंजा डण्डी
पाठ–3 कौन बोला म्याऊँ						
पिल्ला	कुकुर के पिला	पुसाल पिल्ला	कुकुर पिला	पीला	छउवा	अल्ला खद्दो
उठ बैठा	उठ के बइठगे	तेदी उद्ता	उठुन बसलो	तेद्स् उदीतूर	उइठ बइठिस	चोचा ती उकिया
झाड़ी	झाड़ी (झाड़ी–झखरी)	झिपते	लाटा	टुट्टा	झुरमुट	खोप्पा
खाट	खटिया	कटूल	खटेया	कट्टुल	खाटी	खटी
इधर, उधर	एती–ओती /एती–उती	इके–आके	ए बाट–हुन बाट	हिक्के–होक्के	इते उते	अतरा–इतरा
चूहा	मुसवा	उप्पे	मुसा	हुप्पे, उप्पे	मुसटा	ओसगा
सोना	सुमना/सुतई	गुड़तेनद	सोवतोर	हुंजना	सुतना	खंदरना
देखना	देखई/देखना	उड़नेद	दखतोर	हूड़ना	देखेक	ऐरना
कूदना	कुदई/कूदना	लंगनेद	कुदतोर	डेवना	कूदिस	डेगना
सो रहा था	सुते रहिसे /रहीसे	गुड़सो मतोर	सोवते रए /सोवते रलो	हुंचोर मंदूर	सुतत रहिस लगिया	खंदरःआ

देखा	देखिस	उड़तान	दखलो	हूड़तान	देखिस	इरिया
कूदकर	कूदके	लंगीमेंज	कुदुन	डेवस्	कूइद के	डेगअःरकी
आवाज	अवाज	लेंग	गरजन	लेंग	अखोर	सड़ा/सड़ह
कोई नहीं	को नो नहीं	बेनो इले	कोनि नाई	बोरे हिलेर	कोनो नियें	ने हूं–मला
सामने आना	आघू आना	मुन्नेवर	पुरे एतोर	मुन्ने वायना	आगू आ	मुन्धवारे बरना
उठ बैठना	तेदी उदना	उठुनबसतोर	तेद्स उद्ना	तेद्स उदना	उठ बैठिस	चोअना ती ओकना
घर	घर	लोन	घर	लोन	घर	एड़पा
सामने आया	आघू अइस	मुनेवत्तोर	पुरे इलो	मुन्ने वातूर	आगू आइस	मुंधवारे बरचा
पूछना	पुछई/पूछना	पूछीकियना	पुछतोर	पूचेमायना	पूछ न	मेन्ना
पूछा	पूछिस	पूछीकितीन	पुछलो	पूचे मातूर	पूछिस	मेंजस
बोलना	बोलना/बोलई	केत्ना	बलतोर	इंदना	गुठियाना	बअःना
बोलता हूँ	बोलत हौं/हँव	केतितान	बलु आँय	इंतोना	गुठियाथों	बअःदन
मेमना	छेरी पिला	मेमना	छेरि पिला, मेण्डि पिला	चितरलपैया	पठरू	पठरू
फूल	फूल	पूंगार	फुल	पुंगाई	फूल	पूंप
पौधा	राई	कर्रे	बुटा	पोदेला	पउधा	ख़ोप्पा
पौधे	राईमन	पोदला	बुटा मन	पोदेलंग	पउधा मन	ख़ोपद
पहुँचना	पहुँचना /हबरना	एवद्ना	अमरतोर	अव्ना	लमरना	अंडसना
पहुँचा	पहुँचगे/हबरगे	एवतोर	अमरलो	अवतूर (पु.)	पहुचिस	अंड़सिया
मधुमक्खी	भँवर मछेर	उरवे	ओण्डार माछि	पूकवीस	रस माई	तीनी, भौंरो
बैठना	बइठना	उदना	बसतोर	उद्ना	बइठबे	ओक्कना
बैठी थी	बइठे रहिस	उदीमता	बसुन रए /बसुन रली	उद्समत्ता	बइठे रहिस	उक्कीचा
तालाब	तरिया	कूट्ठा	तरइ	तड़य	तलवा	पोखरा
किनारे	तीर	उटूल	कठा, रेठे	ओदा	धरी	धरी नू
मेंढक	मेचका	पंडे	मेण्डका	पन्ने	बेंगचा	मूंख़ा
चूजा	चियाँ/ चिरई पिला	चूजा	चियाँ	पीसे	चियां	चिंया
बछड़ा	बछरू	पिल्ला	बाछा	कोंदापैया	बछरू	बछिरा
छौना	जिनावर के पिला	छौना	चितर पिला	बेड़पीला	छानी	चितरा खद्द
कुत्ता	कुकुर	नय	कुकुर	नय	कुकुर	अल्ला

मुर्गी	कुकरी	कोर्र	कुकड़ी	तलुर कोर्र	मुरगी	खेर
भेड़	भेंड़ी	मेंडा	मेण्डि	बेड़	भेड़ी	भेण्डो
गाय	गाय	गोड	गाय	टाली	गरू	गाय
हिरन	हिरना / हइना	लूप	चितर	चितरल	हरिन	चितरा
पाठ–5 चालाक चीकू						
चार	चारों कोती / चारों डहर	नालू	चार	नालुंग	चायर	नाख
बिल्ली	बिलइ	पुसाल	बिलइ	बिल्लय	बिलाई	बेरख़ा
बिल्लियाँ	बिलइमन	पुसाली	बिलइ मन	बिलईंग	बिलाई मन	ढेर बग्गे बेरख़ा
मिलकर पकड़ना	मिलके धरना, धरइ	कालसमेंज पोयतना	मिसुन धरतोर	मीलेमास पैयना	जुटके धरना	जुमररकी धरना
पकड़ा	धरिस	पोयतोर	धरला	पयतूर	धरिस	धरचा
खाना	जेंवन	डोडा	खातोर	तिंदना	जेवन	मोख़ना
खाऊँगी	खाहूँ	तिन्तान	खायन्दे	तिंद्का	खाहू	मोख़ोन
सभी	सबे,सब्बो,जम्मो	जमाय	सपाय, जमाय	सप्पय	सबझन	ओरमर
झगड़ा	झगरा	मुंडाड	झगड़ा	वहच्ना	झगरा	अरबानखरना
मौसी	मोसी	कुची	मावसी,नानी आया	कूच यायाल	मोसी	मुसी
मौसियाँ	मोसीमन	जमाय कुची	मावसी मन, नानी आया मन	कूच यायाह	मोसी मन	मूसीबगर
आपस में	एक दूसर ले / आपसी म	झपसते	एक–दुसर संगे	एर–ओर	अपन मे	तंगआ मझिनू
नीम का पेड़	नीम के रुख	नीम था मराम	लीम रुख	कैयले लीम	लीम कर रूख	नीम ही मन्न
खड़ा है	खड़े हे / ठाढ़े हे	नित्ता	उबा आसे	नित्तीतोर	ठढ़ोइस हे	इज्जकीरःई
छूना	छूना / छुवइ	केटा	छिया	इट्टाना	छूइस	ऐसेरना
छूकर	छूके	केटीमेंज	छिउन	इट्स	छूइ कर	ऐसेरअरकी
जाना	जवइ	अन	जाहा	दायना	गइस	काना
जाकर	जाके	अनजमेंज	जाउन	हंज	जाएके	कालरकी
उसको	ओला / वोला	ओन	हुनके	ओन	ओला	आदिन
हिस्सा	हिस्सा / बाँटा	भागा	भाग	बाटा, वाचा	बांटा	बटा
बाँटना	बँटइ	तुसना	बाटतोर	तूसना	खेजा	खट्टना
बाँटे	बाँटिस(एकवचन) बाँटिन(बहुवचन)	तूसतोर	बाटला	तूसीट	बॉटिस	खट्टियर
मूर्ख	मुरुख	मूर्ख	भकवा, मुरुख	होगंटाहल	बोया	बोका
समझ	समँझ	लेजा	समंज	पुंज	बुझ	बूझ
समझना	समझथँव	समझेमयना	समजा	पुंदाना	समझाइस	बुझूरना
सरपट	पल्ला	सरपठ	सरलगा	सर्रपड़	सरसराय के	चांढ़हे
दौड़	दउँड़	मिरना	परातोर	वित्तना	दउड़	बोंग्गना

बिल	बिला	बोहका	बिल	बूका	बिला	लाता
अंदर	भितरी	लोपा	भितरे	लोप्पा	भितर	भितरे
भागना	भगइ	मिरना	परातोर	वित्ताना	भाग	बोंग्गन
भागा	भागिस	मिरतोर	परालो	वित्तीतूर	भागिस	कोरच
अपनी	अपन	तनवा	आपन चो	आपुना	मोर	तग्है
अपना	अपन	तनवा	आपन चो	आपुना	मोर	तंगआ
जान	जीव	जीवा	जीव	जीवा	जीव	जिया
जान बचाना	जीव बचइ	जीवा बचाकिना	जीव बचातोर	जीवा पिसह्ना	जीव बचाइस	जिया बछाबअःना
जान बचाई	जीव बचइस	जीवा बचाकिता	जीव बचालो	जीवा पिसीह्त	जीव बचाइस	जियान बछाबचास
पाठ–6 चींटी और हाथी						
रानी	रानी	श्रानी	रानी	रानी	रानी	रानी
चींटी	चाँटी	पेत्तें / गोड़ो	चाटि	होर्र	चांटी	पोक
भोजन	जेवन	तिन्देनद	खाद–कोण्डा	गाटों	जेवन	मण्डी
तलाश	खोज	मेहकना	डगर	पड़कना	ढुंढे	बेद्दना
रोज	रोज	दिनाल	रोजे	रोज्जे	रोयज	उरमी, उल्ला
जंगल	बन	गुपा	रान	कोट्टुम	पहार	टोड़ंग
सभी	सबो	जमाय	सपाय, जमाय	सपाय	सबला	ओरमर
हाथी	हाँथी	एन	हाति	हत्ती, एनी	हाथी	हथी
दिनभर	दिनभर	पयालपोड़द	दिन भर,	मुल्लनह,	दिनभेर	उल्ला भइर
घूमना	घुमई किंदरई, गिंजरई	तिरयना	बुलतोर	वलिय्ना	किंदरना	कूद्दना
तोड़ना	टोरइ	देहतना	टुटातोर	देहना, ओह्ना	टोरना	एस्सना
तोड़ता	टोरत	देहतिता	टुटाए	दोह्च	टोरना	इसई
फेंकना	फेंकई	एसना	पकातोर,	वाटना फिड़्गतोर	सरकना	हेबेड़ना
फेंक देता	फेंक देवय	एसीता	पकाउन / हिबड़ी	वाट्समनेना फिड्गुन देये	झटक देहीस,	हिबड़ी
लंबी	लम्हरी	लट्ट	लाम	लाट	लमा	दीगहा
सूँड़	सोंड़	सूंड	चोण्डा	होण्ड	सूड	सोंड़हे
भरना भरता	भरना / भरइ भरय	निहतना निहतिता	भरतोर भरे	निह्ना निहेना	हिंचना भरेल	निंदना निदंई
नहाना	नहइ	एरमियना	नाहातोर	मियना	असनान	एमना
नहाता	नहावय	एरमिता	नाहाए	मियेना	असनानीस	इमई:
जानवर	जिनावर	जानवर	पसु, जियाद	काजेर	जनावर	जऊन्त
जानवरों	ढोर	माल–माता जियाद मन	पसु मन,	काजेर्क	जनावर मन	जऊन्त गने
धक्का–	धक्का–मुक्की	धक्का–मुक्की	ठेगला–मसका	दकंग–दुमड़िंम	हेला हेली	तुकुर मुक्की नखरना

मसलना	रउँदना	रगड़ाकिना	रमंदतोर	पिस्कना	रमूंदना	गिमचःअना
मसलदेता	रउँद देवय	रगड़ाकिता	रमदुन देये	पिस्केना	रंमूद देहिस	गिमचीःई
डरना	डेर्राना,डेरइ	वेरतना	डरतोर	वर्रियना	डरना	एलचना
डरता था	डेर्रावयय	वरसमथा	डरे	वर्रियदान	डरत रहिस	एलचा लगिया
तंग	परेसान, परसान	तंग	लाग, अस्कट	पिसकाट	उदबास	डाह
एक दिन	एक दिन	ओंड दिना	गोटक दिने	उंददिया	एक रोज	ओंदउल्ला
बात	गोंठ	भाता	गोठ	पल्लो	गोयठ	कत्था
मिलना	मिलइ	दोरकना	भेटतोर	मीलेमायना	भेटाना	भेंटारना
मिली	मिलिस	दोरककता	भेटली	पुट्त	भेटाइस	भेटारा
सताना	परसान करना	सताकियना	लागतोर	डंड कियना	डाहना	डाहना
सताते हो	परसान करथस	सताकितिन	लागु आस	डंड कियातोन	डाहथस	डाहदी
ठीक	सहीं	नला	नंगत, निको	सत्तेय, बेस	सही	बेस
चुपके से	चुपे चाप	कोटो	ओगाय	कमेक	कलेकस	कले–कले
छोटा	नानकुन	छुडला	नानी	हुडिलोर	नान	सन्नी
छोटी	नानकिन	छुडला	नानी	हुडिला	नान	सन्नी
जान	जीव	जीवा	जीव	जीवा	जीव	जिया
बित्ता भर	बीता भर	बित्तामेंड	भिताएक	बित्तामेंड	नानकुन	बिताभइर
जुबान	जीभ	माटा	टोण्ड	लेंग	जीभ	बई
मर्जी	मरजी	मर्जी	मन	बिच्चर	मन	मरजी
शेर	सेर	डुवाल	बाग	नीराल	बघवा	लकड़ा
हँसना	हँसई	कवदना	हाँसतोर	कवना	हंसी	अलखना
हँसकर	हाँस के	कवसमेंज	हाँसुन	कवस	हंयेस के	अलखरकी
अक्ल	अक्कल	बुद्ध	बुद	गोक	अकील	लूर
दम पर	बल म	दमते	बल ने	लाव दे	असान ले	संवागती
मुखिया	सियान	मुखिया	मुखया	मूड़िया	घर गोसिंया	उरबस
घास	काँदी	रोंडा	रोण्डा	रोंडा	बन	घांसी
छिपना	लुकइ	मिंजना	लुकतोर	मक्काना	लुकना	नुखुरना
छिप गई	लुकागे	मिंजता	लुकली	मक्त	लुकाह गइस	नुख़रा
चुपके से	चुपेचाप	आयोने	खुसखुसा	कुस–कुसा	कलेकस	कले कले
घुसना	खुसरगे	नेगना	ओलतोर	होड़ियना	ढुंकिस	कोरना
घुस गई	घुसरगे	नेगता	ओलली	होड़ियत	ढुंक गईस	कोरचा
अंदर	भितरी	लोपा	भितरे	लोप्पा	भीतरे	भितरे
काटना	चाबना	कचना	चाबतोर	कदना	काटिस	परमना

परेशान	परेसान	परेशान	बिरबिरा, हरयान	पिसकाट, कंजहाट	उदबास	ससईत
पटकना	पटकइ	पटकाकिना	अपटतोर, कचाड़तोर	हुक्काना	पटकिस	पखड़अःना
पटकी	पटकिस	पटकाकिता	अपटलो,	हुक्त	पटकिस	पखड़अःचा
			कचाड़लो(पुल्लिङ्ग क्रिया, (स्त्री) कहानी के अनुसार)			
फूँक	फूँक	डदना	फुक	ऊहका	फूंक	ऊरना
जुगत	जोखा	जुगत	जुगाड़, उआट	तरीका, उपय	जुगाड़	उपाय
चीख	चिचियई	तुमना	किरकिरइ	किर्री	गोहार	चिचियारना
रोना	रोवइ	केयना	गागतोर	किल्लाना	रोआसी	चींखना
रोते हो	रोवत हस	केयितिन	गागु आस	किलायतोन	रोवत रहिस	चींखदय
माफ करो	माफी दे	माफकिम	माफी देस, खेमा कर	माप कीम, कसूर माप	छमा करा	माफनना/ढ़प्पी
सताना	पदरिया के	सताकिना	लागतोर	डंड कियना	डहेल	डाहना
सताऊँगा	परसान करहूँ	सताकितान्	लागेन्दे	डंड कियका	डहथे	डाहओन
मानना	मनइ	मानेमायना	मानतोर	माने मायना	मानीस	मेन्ना
दादा	बबा	दादी	दादा, गुंडा	दादाल	बाबा	अज्जो
जमाना	कप्पी	जमाना/रोत्	समया	जुग	जबाना	परिया
बदलना	बदलइ	बदलाकिना	बदलतोर, पलटतोर	बदले मायना	बदलिस	बदलाअरना
बदल गया	बदल गे	बदलेमता	बदलली,पलटली	बदले मात	बदल गईस	बदलारा
हामी भरना	हुँका पारना	–	होय बलतोर	डोंग हायना	राजी भरिस	हॅा बअना
हामी भरी	हुँकारू पारिस	हो इंदना	होय बलली	डोंगहात	राजी भरिस	हॅा बाचा

पाठ–7 एकता का बल

पीपल	पीपर	आली	पीकड़	आल	पिपर	पकरी
कबूतर	परेवा	बोडे	परेवाँ/परेयाँ	पारेवा	परेवां	पेरंवा
खोजना	खोजइ	मेहकना	डगरातोर, खोजतोर	पड़क्ना	खोजबे	बेद्दना
खोज	खोज	मेहका	डगर	पड़क्स	खोज	बेद्दना
लौटना	लहुटइ	वायना	फिरतोर, बोहड़तोर	मलाना	फिरना	किर्रना
लौट आते	लहुट आवै	मलसक्ता	फिरोत, बोहड़ोत	मल्सवायेर	फिर आईस	किर्रीबरई
उड़ने पर	उड़े के बेर	तेड़ीमेंज	उड़ले	परियतेक	उड्ड के	उड़ियारआरबी
दाना	दाना	दाना	दाना	पड़ेम	अन्न	चरा
बिखरना	बगरना	अलना	बिखरी होतोर	लीकाना	बगरना	बींड़ना

बिखरा	बगरे	अलता	बिखरलोर	लीकीआत	बगरी	बिड़िरका
बूढ़ा	सियान	मूयतोर	डोकरा	मुदियाल	सियान	पचगी
ठहरना	राहवन–राहव	केपी	थेबतोर	रोमना	रूकबे	इज्जना
ठहरो–ठहरो	रहा–रहा	–	थेबा	रोमा–रोमा	रूक	इजआ
चुगना	चुगना	–	चरतोर	पेहकना	चुगना	मोखना
चुगने लगे	चुगे लागिस	चरुक धरला	चरुक मुरयाला	पेहकंदूर	चुगे लागिन	मोखा हेल्लरर
पेट	पेट	पोट्टा	पेट	पोटा	ढ़ाढ	कूल
पेट–भर	पेट–भर	पोट्टामेंज	पेट भर	पोटा मेंड	ढ़ाढ भर	कूल उड़ना
फँसना	फँसइ	इरकना	लटकतोर	हिर्रना	बाझना	बझरना
फँस गए	फँसगें	इरकता	लटकला	हिर्रतूर	बायझ गईस	बझरा केरा
चिल्लाना	चिचियइ	केयना	चिचयातोर	किर्री	किरलाना	चिचियाराना
चिल्लाने लगे	चिचियाए लागिन	केयनोर धरला,	चिचयाउक लागिस	किर्री हियना हेलरर	किरलाय चिचयाउक	चिचियारा मुरयाला
बहेलिया	सिकारी	वेटातोर	बनवा, पारद बिता	पिटेंग हवकवाल	बिलहोर	ओड़ा धरऊ आलस
घबराना	डेर्राना,डेरइ	वेरस	डरतोर	वर्रियाना	घबराबे	एलचना
घबराओ मत	डेर्रावव झन	वेरयमा	नी डरा मत	वर्रिया	झिन घबराबे	अमा एलचा
जोर लगाना	बल लगइ बअना	जोर लगाकिना	बल लगातोर	लाव कियना	बल लगाबे बअना	सवंग लगा
जोर	जोर	जोर लगाओकिन	बल लगावा, बपु करा	लाव (बागुर)	बल लगालगाओ	सवंग लगा बाचा
जाल	फँादा	जाल	जाल	राई	फांदा	जल्ली
टूटे–फूटे	टुटका–फुटका	डरगता–मिरगता	टुटलो–फाटलो	ओर्रलेंग	टूटल–फूटल	खोटोरक
मकान	घर	लोन	घर	लोन	घर	एड़पा
इशारा	इशारा	इशारा	इंगित	किशिमना	कनकी	ऐदना
धन्यवाद	धन्यवाद	धन्यवाद	–	जोहारआई	धन्यवाद	बाम्मे
क्षमा	माफी	माफी	छमा,खेमा,माफी	मापी	छमा	क्षमा, ढापी
पाठ–8 कौन ?						
दिशा	दिसा/डहर	–	दिसा, बाटे	वड़का	खुंट	दिशा
निर्मल	साफ/फरी /आरुग	निर्मल नाहलो	सफा,मईल	निरकुल	फरी	सफा

नदियाँ	नदिया मन	कुये	नंदि मन	डोडक	नंदी मन	खाड़
जग	दुनिया/जग	दुनिया	सँवसार	बुम, दुनिया	भव सागर	धरती
प्यास	पियास	एरउंडावेयतना	पियास	उन्डावसले	पियास	ओनका
मीठा	मीठ/गुरतुर	मीगंता	मीठ	मिरंगुल	गुरवॉ	एम्बा
मीठे	मीगंताव	मीठ मन	मिरंगलेंग	मिरंग्ले	गुरवॉ	तीनना
झरना	झरना	झरना	झरन	गोदोर्रका	घाघी	पझरा
झरने	झरना मन	–	झरन मन	गोदोर्रकांग	घाघी मन	पझरा
हरियाली	हरियाली	–	रुख–राई	लह लहेमाले	हरियर	हरियर
बादल	बादर	मोयोल	बादरी	गूहरा	बदरी	बदाली
नभ	अगास	–	सरग	बुम, दुनिया	अगास	मेरखा
इंद्रधनुष	इंद्रधनुष	भीमालविल	इंदर धनु,	डोमा विल्ल	बीरो धनउ	बोरा
रचना	बनाना	माड़ना	बनातोर, गडतोर	पंडाना	रचना	गड़ना,कमना
रच	बनना	माड़ा	बनाव, गड़	पंड्स	रचा	गड़या
प्रश्न	सवाल	प्रश्न	प्रस्न	जबान	परसन	मेनता

पाठ–9 मिट्टी

गाँव	गाव	नार	गाँव	नार्र	गॉव	पद्दा
गली	गली	गुड़ेम	खोर	गली	कोली	डुला
खेत	डोली	वेडा	बेड़ा	वेड़ा	खेत	खल्लों
मिट्टी	माटी	तोड्य	माटि	तोड़िय	माटी	खज्जों
बूँद	बूंद	बोटक	बुंद	डोंगे	टिपा	टिप्पा
महकना	ममहाना	महक	बासना	दैयंगले	बसना	चःअना
महकी	ममहाइस		बासना दिली	दैयंक्त	बसाइस	चांअचा
सोंधी–सोंधी	सोंध–सोंध	सोधी–सोंधी	माटि चो बासना	दैयगले–दैयंगले	सोंध–सोंध	सोंधहा
बोझ	बोझा	बोझा	बोज, बोजा	बोजा	बोझा	ओत्था
मोल	मोल	मोला	मोल	मोला	पटाए	दाम
सलोने	साँवरे	सलौने	सुंदर	सजेमाले	सुघर	दौ–दौ

पाठ–11 मड़ई मेला

गाँव	गाँव	नार	गाँव	नार्र	गांव	पद्दा
मड़ई मेला	मड़इ मेला	मंडई करसाड	मण्डई	मंडेय	मिलन मड़ई	मड़ई–जतरा

सुबह	बिहनिया	नरकोम	बिहान	नर्रकीय	बिहान	पइरी
जाना	जवई	दायना	जातोर	दायना	जाबे	काना
जाने के	जाए बर	दायनिक	जातो काजे	हंदला	जायबर	काला गे लिए
तैयार	तियार	तिहार	तियार	जोंग	तियार	तेयार
तेल	तेल	निय	तेल	निय	तेल	इसुंग
कंघी	कंधी	इच्चाड़	कंगी	कंगी	ककई	बघीरका
बच्चे	लइका मन	पितला	पिला मन	पीलंग	लइकामन	खद्दर
सभी	सबे, सब्बो	जमाय	सपाय, जमाय	सप्पाय	सबझन	ओरमर
खाना	जेंवन	डोडञ्ज	भात–पेज (भोजन के अर्थ में)	गाटो	जेवन	मण्डी
खाकर	खाके	तिंजमंज	खाउन	तिंज	खायके	ओनर
देखना	देखइ	उड़ाना	दखतोर	हूड़ना	देखबे	एरना
चल पड़े	रेंगे ल धरिन	अत्ता	हिण्डुक धरला, हिण्डुक मुरयाला	हत्तूर	रेंग देहिन	चइल केरर
करीब	तीर म	आ पेरके	लगे	हेरे	लिघे	हेद्दे
पहुँचना	पहुँचई	पवद्ना	अमरतोर	अवना	पहुचिस	अड़सना
रहँचुली	रहचुली	मत्ता	रांहटा	रहटोली	रेहट	रमडिलवा
आवाज	अवाज	लेंग	गरजन	लेंग	अखोर	गूल
सुनना	सुनइ	केंजना	सुनतोर	केंज्ना	सुनबे	मेन्ना
सुनाई पड़ने लगी	सुनाए ल धरिस	केंजनानोर	सुनुक होली	केंजिहंद	सुनाई देइिस	मेंदरआलगिया
जल्दी	झटकुन –जल्दी	उभय–उभय	झटके–झटके,	सांडे–सांडे झपके–झपके,	हालू–हालू	चांड़हे –चांड़हे
झूलर	झुलना	उयल	झुलना	रहटोली	ढ़ेलवा	ढिलवा
पास	तीर	साठ	लगे	हेरे	लिघे	हेद्दे
कूदना	कुदइ	लग्ना	कुदतोर	डेवना	तरकना	डेगना
कूद पड़े	कूदिन	लग्तोर	कुदला	डेवतूर	तरक देहिन	डेगचर चिच्चर
शुरु हुआ	सुरु होइस	शुरू अत्ता	मुर होली	मूड़आत	ओर होइस	ओरे मन्जा

चिल्लाना	चिचियइ	केयना	चिचयातोर	किर्रीहियना	चिकरना	चिचियारना
चिल्लाने लगे	चिचियाए लगिन	केयनोर	चिचयाउक धरला, चिचयाउक मुरयाला	किर्रीहिया मूड़ कीतुर	चिकरे लागिन	चिचियारआ हेल्लर्र
डर	डर	वेरयाना	डर	वर्रे	डर	एलचना
मुँह	मुँह	टोड	मुँहु	टोड	थोथना	बई
छुपाना	लुकइ/लुकाना	मिसाना	लुकातोर	मोकह्‌ना	लुकाना	नुड़ना
छुपा लिया	लुका लिस लुकाए लेहिस	मिसतोर	लुकाली(स्त्रीलिङ्ग) लुकालो(पुल्लिङ्ग)	मोकिहतूर	लुकाए लेहिस (उभयलिङ्ग)	नुड़चर
आगे बढ़े	आगू लिस	मुन्ने अत्तोर	फयले गेला	मूनेक हत्तूर	आगू बढ़	मुन्धवारे केर्र
दफड़ा	दफड़ा	डफड़ा	डफली बाजा	डबर्रा	डफला	डफला
निशान	निसान बाजा	चिन्ह	बाजा	सीना	चिन्हा	चिन्हा
मोहरी	मोहरी	मोहरी	मोहरी	मोहिर	मोहरी	मोदरी
बाजे	बाजा मन	डोल्‌क	बाजा मन	नेक्‌ना	बाजा मन	बाजा
सुदंर	सुग्घर	सोभा	सुंदर	सोबले	सुघर	दौ
रंग बिरंगी	रंग बिरंग	रंग–रंगता	रंग–रंग चो, भिने–भिने रंग चो	आनित–बानि	रिकिम रिकिम	रिंगी–चिंगी के रंग
पोशाक	ओढ़ना कपड़ा	गिसड़ी	पिन्दतो कपड़ा, पिन्दतो फटइ	साजु	ओढ़ना	किचरी
फूल माला	फूल माला	फूंगानेरक	ढोण्डा–माल	पुंगाई नेर	फूल–माला	फूल–माला
सजे	संभरे	सजे	सिंगार होलोर	सजेह	सजाल	अईनका
समूह	दल	रोत्	गोहड़ा	कुप्पा	दल	खोड़हा
नाचना	नचइ	एड्‌ना	नाचतोर	ऐंदना	नाचबे	नलना
नाचते हुए	नाचत–नाचत	ऐंदो	नाचते	एदसोर	नाचत	नलते
मुखिया	मुखिया	मुखियान	मुखया	मूड़िया	सियान	उरबस
हाथ	हाँथ	कैय	हात	कय	हाथ	खेक्खा
परघाकर	परघा के	परघाकिस	परघाउन	पड़गेह कीस	परिघायके	पइरघअरकी
गाड़ना	गड़ियाना	गाड़ाकिना	गाड़तोर	मिसना	तोपना	गड़ना
गाडकर	गड़िया के	गाड़ाकिस	गाडुन	मिस्स	तोपकर	गड़अरकी
पूजा करना	पूजा करइ	पूजा कियना	पुजा करतोर	सेवा कियना	पूजा करना	पूजा नन्न

तरह–तरह	आनी–बानी के	अलग–अलग	बानि–बानि	आनित–बानित	रिकिमरिकिम	अरन–बरन
दुकानें	दुकान मन	दुकानी	दुकान मन	दुकानींग	दोकान	बग्गे दोकान
रंगीन	रंगीन	रंगता	रंग बिती	रंगता	रंग	रिगी–बिगी
फुग्गे	फुग्गा	फूंगा	फुगा मन	फुगंग	फूग्ग लाडू	बग्गेम फुगा
गुलगुला	गुलगुला	गुलगुला	गुलगुजा भजेया	गुल–गुला	गुलगुल	गुल–गुला
भजिया	भजिया	भदिया	भजेया	बजिया	भजिया	पकोड़ी
लाडू	लाडू	लाडू	लाड्ड	लाडू	लड्डू	लड्डू
करी लड्डू	करी लाडू	कारी लाडू	केरी लाड्ड	सेव लाडू	लड्डू	करी लड्डू
खरीदना	बिसाना/बिसइ	असाना	घेनतोर	अस्ना	बेसाना	खेंदना
खरीदे	बिसइन	असतोर	घेनला	असतोम	बेसाय	खींदि्दयर
खाना	खवइ	डोडा	खातोर (क्रिया)	तिंदाना, गाटो	खाना	ओनना
जलेबी	जलेबी	जलेबी	जलबी	जलेबिंग	जलेबी	जिलेबी
बड़ा सा	बड़े जन	बिरया	बड़े असन	बरहाय	रोट ले	कोंहम
गन्ना	कुसियार	गुड़ाडांडा	डाण्डा	डांडा	कुसियार	कतारी
टुकड़े	टुकड़ा	तुकडा	गोन्दा मन	कुटकंग	टूटका	खंड़ा
चूसना	चुहकना	चूसाकियना	चुहरतोर	हुहकना	चूसना	चीपना
चूसते रहे	चुकहत रहिन	चूसाकिसोमनोर	चुहरते रला, चुहरते रोहोत	हूहकसोर	चूसत रहिस	चीपते रहचर
खिलौने	खेलउना	करसनाव	खेलतो सज मन	कर्रसानंग	खेलोना	बेचना आलो
जहाज	जिहाज	–	जाहाज	जहेज	चिकरे लागिन	घटोला
गुड़िया	पुतरी	–	पुतरी	पुतरी	डर	पुतली
रेल	रेल	रेलगाड़ी	रेल	रेल	थोथना	रेलगाड़ी
मोर	मँजूर	मल्ल	मंजुर	मल	मंजुर	मिंजुर
कार	कार	डुंगर गाड़ी	कार	जीप	कार	कार
बड़ी–बड़ी	बड़े–बड़े	बिरया–बिरया	बड़े	हजोर, बेहरा	आगू बढ़	कोहां–कोहां
गेंद	पुक	गेन्द	उचुदना	कुडवाल	डुला	गेंदा
घूमना	किंदरना	तिरयना	बुलतोर	वल्लीयना	चिन्हा	कुद्दना
घूम–घूमकर	किंजर–किंजर के	तिरयी–तिरयी	बुलुन–बुलुन	वल्लियस–वल्लियस	मोहरी	कुद्दा–कुद्दा

सामान	सामानी	जमक, सज	जिनिस, तिज	बीडार	बाजा मन	आलो
एकत्र	जुरियाए	जमा जुहालोर	रुण्डालोर,	गूडह्ना रिकिम के रंग	रिकिम	जुमरअर
वापस	लहुट	आपस	बोहड़, फिर	मलहना	ओढ़ना	किर्रर
घर	घर	लोन	घर	लोन	फूल–माला	ऐड़पा
खुश	खुस	खुश	हरिक	गिर्रदा	खुस	रिज्झ

पाठ–12 ऊँट

ऊँट	ऊँटवा	ऊंट	ऊँट	ऊट	ऊंट	ऊंट
चलना	रेंगइ	तातना	हिण्डतोर	ताकना	रेंगना	एकना
चला	रेंगिस/चलिस	ताकता	हिण्डलो	हत्त	रेंगा	इकिया
हिलना	डोलना/डोलट /हालई/हलइ	हिलेमयना	हालतोर	मलयाना	डोलना	हिलरा
हिलता	दोलत/हालत	हिलेमासो	हालते	मलियसोर	डोलथे	हिलीरते
डुलना	डुलना	डुलेमयना	झुलतोर	गूड़ना	डुलना	डोलारना
डुलता	डोलत हे	डुलेमासो	झुलते	गूड़सार	डुलथे	डोलोरते
इतनी	अतेक	इच्चोर	इतलो/इतरो	इच्चो	इतना	एतेक
लम्बी	लम्हरी	लाठी	लाम	लाट	लम्मा	दीघहा
टाँगों वाला	गोड़ वाले	कालक नाव	पाँय बिता	लॉटकाल्क बित्ती	टंगरी दार	खेड्डे मइदका
ऊँची	ऊँच	पोरो	डेङ्गी	डेंगल	उच	मेच्छा
गर्दन	गर/गला	गुडगा	टोडरा	टोडर्रा	ढेटू	खेस्सेर
बालू	रेती	बालू	बारु, कुदुर	मनुम	रेता	चलकूर, धुली
ढोना	डोहारना /डोहरइ	एड़ज	बोहतोर	टडियना	डोहना	चेड़ना
ढोने दो	डोहारन दव	कांजना	बोहुक दियास	टडियहीम	डोहे दा	चेढ़ाचिआ
फँसना	फँसइ	कांजीम	लटकतोर	हिर्रना	बाझना	बझरना
थकना	थकइ	इरकना	थाकतोर	हंजाना	थकना	खड़दना
थककर	थक के	एयवीमंज	थाकुन	हंच्च	थाइक के	खड़दरकी

बैठना	बइठइ	उद्‌ना	बसतोर	उद्‌ना	बइठना	ओक्कना
बैठेगा	बइठही	उदीतिन	बसेदे	उदानूर	बैठही	ओक्को
करवट	केंरवट	ओयेरा	करवँट		करोदिया	चोख्खो
बताना	बताना / बतइ	केतना	सांगतोर	वेहना	करोठिया	तेंग्गना
बता सकेगा	बता सकही	केतापरदितिन	सांगुक सकेदे	वेह पर्रानूर	बताय सकही	तेंगा ओंग्गोस
कौन	कोन	बेनो	कोन	बोर	कोन	ने–तग्है
भला	भला	भला	भले	दरमोती	भला	दौ

पाठ–13 आई एक खबर

अभी	अभी	इंजे	एबे	इजेक, इदेक	अझे	अक्कुन
खबर	खभर	खबूर	खबर	कबीर, कगो	खभेर	खभईर
आना	अवइ	वर	एतोर	वायना	आबे	बरना
आई	आइस	वत्ता	इली	वात	आईस	बरचा
मक्खी	मासी / माछी	गुगे	माछि	वीस	माछी	तिंगली
रानी	रानी	रानी	रानी	रानी	रानी	रानी
उसको	ओला	ओन	हुनके	ओन–तान	ओला	असीन, अदीन
लाना	लवइ	तरा	आन	ततना	लानबे	ओंदरना
लाई	लानिस	लाई	आनली	तत्	लानिस	ओंदरा
टिड्‌डा	कनकट्‌टा	पारंदे	थापा	पापे	फंम्फा	बोख्खो
हाथी	हाँथी	एन	हाति	हत्ती, एनी	हाथी	हथी
मारना	मरइ / मारना	रेहतना	मारतोर	हवकना	मारबे	लवना,पसना
मारा	मारिस	रेहतोर मारली (स्त्रीलिङ्ग)	मारलो(पुल्लिङ्ग) (पु.)	हवकतूर	मारिस	लवचा
क्या करता	का करतिस	बाता कितिन	काय करतो	बाता केवेना	का करतिस	एंदर ननोस
बेंचारा	बिचारा,बपरा	पापम	बोपड़ा	बिचरंगा	बपुरा	गोरगोरा
घुस बैठा	खुसर के बइठिस	ओड़ई उद्‌ता	ओलुन दिलो	होड़ियस उदितूर	ढुक बैठिस	कोरअर की उक्कियस
मटका	मरका	कुडा	हांडि	मल्ला, अड़का	गगरी	कट्‌टू
अंदर	भीतर / भितरी	लोपा	भितरे	लोप्पा	भीतर	भीतरे

ढाई	अढ़इ	रेंड, आधा	अड़इ	अढ़ई	अढ़ाई	अढ़ाई
बंदर	बेंदरा	कोवे	बेन्दरा, माकड़	मूंज	बंदरा	बंदरा
रुकना	थम्हना,रुकना थम्हर रुकइ	केपना	थेबतोर	रोमना	ठढ़ोना	इजना
रुकी	थम्हिस / रुकिस		थेबली	रोमा	रूकिस	इजस
आँसू	आँसू		समुंद	केनेंर्	आंस	खंजलखो
धारा	धार	धारा	खर	पोंगना	धार	पइड़ी
समुदर	समुन्द्र / समुंद	गोदार	लटकतोर	टड्डी	समुंदर	समुंदर
खारा	नुनछुर	ओवोर	लटकु	हवोर	नोनछु	खार
फँसे हुए थे	फँसे रहिन	इरकीमत्तोर	भितरे	हिर्रसमतोर	बाझे रहिन	बझरका रहचर
मच्छर	मच्छर / मँगसा	नुले	भुरसुंडि, मछड़	नुस्मे	भुसड़ी	भुसड़ी
लात मारना	लात मारना / जमाना	लात वाटना लतियइ	लात मारतोर	लात हार्राना	लाथना	लथना
लात	लात	लात	लात	लात	लाथ	लाथ
कसकर	कसके	–	चमकट	कसे–कीस	कइस के	पुरकस
फूटना	फुटइ / फूटना	फिरदना	फुटतोर	ओर्रना	फुटिस	खोट्टरना
फूटा	फुटिस	फिरता	फुटली	ओर्रत	फुहिस	खोट्टरा

पाठ–14 चूहे को मिली पेंसिल

चूहा	मुसवा	उप्पे	हुप्पे, उप्पे	मुसटा	ओसगा	
खाने के लिए	खाए बर	डोडा	खातो काजे	तिंदला	खायबर	मोखा गे
कुछ	कुछू	छुडुक	काईं	हुचुक	कांही	कटिक
ढूँढ़ रहा था	खोजत रहिस	मेहको मत्ता	डगराते रलो	पड़कसोर मत्तोर	खोजत रहीस	बेद्दालगिया
पेंसिल	सीस / पेंसिल	पिंसिल	पिन्सल	पेंसिल	पेनसुल	सीसा
उलटना–पलटना	उलटइ–पलटइ मिड़तना	तेहतमा–पलटतोर	उलटतोर–मायना	उल्टे पल्टे कलथी	अलथी–	बिड़िदना–खड़दना
मुझे	मोला	नाक	मोके	नाकुन	मोला	एंगन

छोड़ना	छोड़इ	विड़सना	छांडतोर	तासना	छोड़बे	अम्बना
छोड़ दो	छोड़ दे	विड़साठ	छांडुन दियास	तासहीम	छोयड़ दे	अम्बा चिःआ
जाने दो	जावन दे /जान दे	दाइम	जाउक दियास	हंदा–हीम	जाय दे	काला चिःआ
गिड़गिड़ाना	जोजियाना, जोजियइ	केयीकेयी	हात–पांय जोडतोर	लालेमायना	केलोली	गोहरारना
गिड़गिड़ाकर	जोजिया के	केयीकेयीमेंज	हात–पांय जोडतोर	लालेमास	केलोली कईर के	गोहरअरकी
काम	काम	बूता	बुता	बूतो	बुता	नलख
लकड़ी	लकड़ीकठवा	कटिया	दारु,लकड़ी	वर्रक	लकरी	कंक
टुकड़ा	टुकड़ा	तुकड़ा	गोन्दा	कुटका	टुटका	खड़ां
अच्छी	अच्छा	नला	नंगत, निको	चोकोट, बेसबन्ने	सुघर	बने
कुतरना	कतरना	कुतराकियना	कतरतोर	कतरे कियाना	कतेरना	केगेरआना
कुतरुँगा	कतरहूँ	कुतराकितान	कतरेन्दे	कतरे–कियका	कतरहॅ	केगेरःओन
अपने	अपन	तनवा	आपलो	मावोर	अपन	तंग्है
दाँत	दाँत	पल्क	दात	पल	दॉत	पल्लो
पैने	चोक्खी/ धार वाले	करतोर	गोजेया	होड़ले	चोख	धारे
छोटे	नानुक	चुड़ला	नानी	हुडिला	नान	सन्नी
हमेशा	हमेसा हरदम	आरामेशा	–	रोज्जे	रोजेच	उर्मी बारी
कुछ न कुछ	कुछु न कुछु	बातैय–बातैय	काईं नाहले काईं	बाता हिल्ले बाता	कांही न कांही	इन्दरिम मल–इन्दरिम
दर्द	पीरा	एरय	दुखा	नोमुर	पीरा	नुंजना
आखिरी	आखरी	आखिरी	–	आकरी, मारत	आखरी	आखरी
चित्र	फोटू/छाया	सित्र	बाना	पोटो–चापा	फोटो	छपा
चबाना	चाबना,चबइ	अड़वाना	चाबतोर	कस्सकना	चबाबे	चबना
चबाकर	चाबके	अड़विमेज	चाबुन	कस्सकस	चाएब के	चबअरकी
तुम्हारे	तोर	निवा	तुचो (एकवचन), तुमचो (बहुवचन)	निय्या,मिय्या	तोर	निंग्है

मजा आना	मँजा अवइ /मँजा अवइ	मजा वाना	मंजा लागतोर	गिर्रदा–वायना	मजा आईस	दौ लगना
मजा आ गया	मँजा आगे	मजा वत्ता	मंजा लागली	गिर्रदा वात	मजा आ गईस	दौ लगिया
बड़ा–सा	बड़े जान	बिरया	बड़े	बरहा हजोर	रोंट	कोंहाम
गोला	गोला	गोला	गोला	गुरियात	गोल	गोलाई
साँस	साँस	नेसकाड़	निनास	नेस्कना उकुर	सॉस	सांस
पनीर	पनीर	कृसा	पेवँस	किर्रचा	पनीर	पनीर
छेद	छेद, भोड़ू	बोहका	काना	बूका	भोंगटा	भोन्का
नजर आना	नँजर आना /नँजर अवइ	उड़नायना	दखा देतोर	डिस्त अराना	नजेर आइस	एथेरना
नजर आ रहे थे	नँजरआवत रहिस	उड़नायमुंतोर	दखा देसोत	डिस्त अरयतोर	नजर आवत रहिन	एथेरआ लगियर
अंदर	भीतर	लोपा	भितरे	लोपा	भीतर	भीतरे
सेब	सेव	सेव पण्डी	सेव	सेवक	सेव	सेव
अजीब	अलकरहा	–		अडर्रा	गजब	अजीब
चमचमाना	चमचम	पोतानेद	चमचम	रस्सगुलंग	चमचम	बिलिचना
ऊपर	उप्पर	पोरो	उपरे	पोर्रो	उपरे	मईयां
तिकोन	तिकोर	तिकोना	तीन खुटया	मूंड कोटूह	तिनखुटिया	तिकुना
चीखना	चिचियाना	तुमना	किरकिरतोर	लंजना	किरलाना	चिचियारना
चीखा	चिचयाइस	चीख	किरकिरलो	लंजतान	किरलाइस	चिचियारा
मूँछें	मेंछा	गडोक	मेछा मन	मीसांग	मेछा	गोच्चो
मुँह बनाना	मुँह बिचकइ	टोड माड़ना	थोतना के अलटतोर	टोड्ड पंडाना, टोड्ड हूयहना	बिजारना	बईन गोर्रे ननना
मुँह बनाया	मुँहबिचकइस	टोड माड़तोर	थोतना के	टोड्ड पंडतूर अलटलो	बिजारिस हुयीहतूर	बईन गोर्रे ननजा
डरना	–	वेरताना	डरतोर	वर्रियाना	डराय	एलचना
डरकर	डरके	वेरसमेंज	डरुन	वर्रियस	डराय के	एलचर की
चिल्लाना	चिल्लाना	केयना	चिचयातोर	किर्री हियना	किरलाना	चिचियारना

चिल्लाया	चिल्लाइस	केयतोर	चिचयालो	किर्रीहीतूर	किरलाइस	चिचियार
बिल्कुल	बिल्कुल निच्चट	मिज्जाम	निरभान	कचित	सिरथों	एकदम
असली	असल	नलोड़ा	असली	सोराना	असली	सच्चेम
बचाना	बचई	बचाकिना	बचातोर	पिसह्ना	बचाबे	बछाबअना
बचाओ	बचाओ	बचाकिमुट	बचावा	पिसहाट	बचावा	बछाबआ
भागना	भगना / भगइ	मिराना	परातोर	वित्ताना	भागबे	बोंग्गना
भागकर	भाग के	मिर्रीमेंज	पराउन	वित्स	भायग के	बोंग्गरकी
घुसना	खुसरना / खुसरइ	नेगना	ओलतोर	होड़ियना	ढुकना	कोरना
घुस गया	खुसरगे	नेगता	ओललो	होड़ियतूर	ढुइक गइस	कोरचा
पाठ–15 धूप						
बीतना	पहाना	आतेद्	सरतोर	माराना, दायना	बीतिस	बितिरना
बीती	पहागे	अत्ेद	सरली	मारत	बिती	बितिरका
रात	रात	मुलपे	रात	नर्रका	रायत	माखा
उजियारा	अंजोर	वेहसना	उजर	उजियारा	इजोर	बिल्ली,इन्जोत
घर	घर	लोन	घर	लोन	घर	एड़पा
आँगन	अंगना	द्वार	दुआर	रच्चा	अँगना	चाली
उतरना	उतरना	डिगना	उतरतोर	रैयना	उतरबे	एत्तना
उतरी	उतरगे	डिगता	उतरली	रैयत्	उतरिस	एत्तिया
धूप	घाम	धूपाम	घाम	अद	घाम	बिड़ना
कण–कण	कन–कन	चुडू–चुडू	कन–कन	उचुहनंग काडिंग	कन–कन में	छोटे–छोटे
पत्ते–पत्ते पर	पाना–पाना मा	आकी–आकी नेग	पाना–पाना ने	आक–आकते	पतई–पतई में	अतख–अतखा नू
हँसना	हाँसना / हँसइ	कवद्ना	हाँसतोर	कवना	हसबे	अलखना
हँसती –गाती	हाँसत–गावत	कवस पारी	हाँसते–गावते पाटा ओयता	कवसोर	हसत–गात	अलखूते –पाड़त
बिखरना	बगरना	रनबन	बिखरी होतोर	बिखरना	बगरना	बीड़रअना

बिखरी	बगरगे	रनबन अत्ता	बिखरी होली	लीकी आत	बगरिस	बीड़रआ
पर्वत	पहाड़	मेट्टा	डोङ्गरी	मट्टा	पहार	परता
चोटी	फिलिंग		टिप	सूंद, टिंग	टीप	चूंदी
उछलना	उछलना /उचकनो	लगना	उधलतोर	डेवना	तरकना	उछलारना, उदकारना
उछली	उचकिस	लंगता	उधलली	डेव्त्	तरकिस	उछलारआ
झरना	झरना		झरन मन	गोर्दरंग	घाघी	झरना
बेलना	बेलना		बेलना	नोटना	बेलना	बेलना
खेली	खेलिस	करसता	खेलली	कर्रस्त	खेलिस	बिच्चिया
सागर	समुंद	गोदार	समुंद	टड्डी	समुंदर	समुदर
लहर	लाहरा	गाकुड़	लहरी मन	एर्रजेल	भोंयड़	लहर
नाचना	नचइ	एंदना	नाचतोर	एंदना	नाचबे	नलना
नाची	नाचिस	एंदता	नाचली	एंदित	नाचिस	नलिया
सहेली	संगवारी / गियाँ	संगताव	संगवारिन	जोड़ी	सखी	संगनी
पंछी	चिरइ	पिट्टे	चड़इ	पिट्टे	चरई	ओड़ा
पंखों पर	पाँख मा	पंखाने	पाखि मन ने	मारेकिने	डेना में	पेंछो मईया
चमकना	चमकइ	चमकेमायना	चमकतोर	चमकना	लौकना	बिलचना
चमकी	चमकिस	चमेमत्ता	चमकली	जिगमिग आत	लौकिस	बिलचिया
फूलों पर	फूल मन मा	फंगानेग	फुल मन ने	पुंगहने	फूल में	पूंप मईया
धरती	धरती / भुइयाँ	भम	धरती	नेल	भूइंयां	खेखेल
कोने– कोने तक	कोंटा– कोंटा मा	कोना–कोना एवना	कोण्टा– कोण्टा ने	कोटुल– कोटुदे	कोनहा– कोनहा मे	कोंड़ा –कोड़ा नू
दिखाई	देखब मा आना	उड़नाना	दखा देतोर	डिस्त अरना	दिखथे	एथेरना

पाठ–16 छोटे–छोटे कदम

छोटे–छोटे	नान्हे–नान्हे	छूड़ला–छूड़ला	नानी–नानी	हुडिला–डुहिला	नान–नान	सन्नी–सन्नी
कदम	पाँव	गोंजी	कदम	डाका	पांव	चटखना
आगे	आगू	मून्ने	आघे	मुन्ने	आघू	मुन्धवारे
पढ़ना	पढ़ई / पढ़ना	पोढ़ेमायना	पड़तोर	पड़हे	पढ़ना	बचना

हाथ	हाँथ	कैय	हात	कय	हाथ	खेंक्खे
साफ	साफ	नारदना	सफा	कियना	सफा	सफा
मेहनत	मिहनत	काम कियानाद	मसागत	कमाइत,कमय,बूतो	मिहनत	मेहनत
पाठ–17 चित्रकोट जलप्रपात						
छुट्टी	छुट्टी	छुट्टी	छुटि	तातिल	छुट्टी	छुट्टी
मामा	ममा	मामा	मामा	ममा	मामा	मामू
बैठक कक्ष	बइठक कुरिया	मिटिंग कोली	सबका खोली	उदना, कोली	ओसरा	ओकना अड्डा
जल प्रपात	जल परपात, झरना पानी झरना	जल प्रपात	घुमर गोदरंग	गोदोर्रका,	घाघी झरना	अम्म ही
टाँगना	टंगइ, टांगना	वेड़तना	ओरातोर	वड़िहना	टांगना	टंगना
टँगा था	टंगाए रहिस	वेड़हसमथा	ओराउ रला	वड़िहना मता	टांगेरहिस	टंगचका रहचा
दफ्तर	ऑफिस	ऑफीस	–	ऑपिस	आपिस	अफिस
जीप	जीप, मोटर	जीप	जीप	जीप	मोटर	जीप
तैयार	तइयार	तियार	तियार	जोंग	तियार	सपड़रका
जल्दी–जल्दी	लकर–लकर,	उभय चांडे	झटके, झपके	सांडे–सांडे	हालू हालू	चांड़हे–चांड़हे
घंटा	घंटा	घंटा	घंटा	गंटंग	जुआर	घंटा
फेन	फेन, गाजा, झाग	फेन	फेन	पंका	झाग	बोट्टो
दूध की तरह	दूध कस,	पालदाले	गोरस असन	पाल लेहका	गोरस नियर	दुदही लेक्खा
धारा	धार	धारा	धार	पोंगना	धार	नइंर
शोर	सोर	लेंग	अंदल, कोलार	किर्रसांड	गुल	गूल
संगीत	गाना–बजना	पाटा	गीत–गोविन्द, संगीत	रूजूम	गीत	डण्डी
आनंद	मजा	खुशी	मंजा	गिर्रदा	मजा	रिझ
नन्ही–नन्ही	नान–नान	छुड़ला–छुड़ला	नानी–नानी	लाडो–लाडो, नूनी	नानकुन–नानकुन	सन्नी–सन्नी
मनोरम	सुग्घर	नला	मन के भावतो आसन	सोबय डिस्ले	मोहिन	बढ़िया
अस्त होना	बूड़ना	मुड़दना	बुड़तोर, बसतोर	मुंड़दना, अरोना	बुड़ना	पुतना
आज्ञा	हुकुम	आज्ञा	आग्यां	वेहना	हुकुम	हुकुम

पाठ–18 क्या है उसका नाम ?						
पक्षी	चिरइ	पिट्टे	चड़इ	पिट्टे	चरई	ओड़ा
पिंजरा	पिंजरा	पिंजरा	पिञ्जरा	पिंजड़ा	खोदरी	पिंजरा
अक्षर	आखर	अक्षर	अक्छर	आचेर	आखर	अक्षर
निराला	नियारा,निराला	नलोटा	सब्ले भिन	एक्ट, गड़हेन	निराला	नन्नम
टाँगें	गोड़	काल्क	पॉय मन	काल्क	टंगरी	खेड्डे
गर्दन	टोंटा, घेंच	गुड़गा	टोडरा	टोडर्रा	ढेटू	खेसेर
सुपा	सुपा	एत	सुपा	हेत	सूपा	केंतेर
कान	कान	केव	कान	कव	कान	खेबदा
चकरी	चकरी	चकरी	चकरी	चक्का	चकरी	चकरी
पाठ–19 साहसी बनो						
प्रसिद्ध	परसिद्ध	दाखा	परसिद	नामजागी	नामी	नामजद्दी
शहर	सहर	शहार	सहर, नंगर	सहेर	नंगर	शहर
पुरानी	जुन्ना	पानता	जुना	पड़ाना	जुनहा	पच्चा
घाट	घाट	घाट	घाट	मट्टा	घटिया	घाट
बंदर	बेन्दरा	कोवे	बेन्दरा, माकड़	मूँज	बंदरा	बंदरा
निडर	निडर	वेरवा	निडर	बिन वर्रे	निडर	डिड़गर
सामान	समान	समान	जमक, जिनिस,	तिज बीडार,	जिनिस चीज	समान,आलो
छीनना	झटकना,	नँगाना उंदना	झिकतोर	ऊँदना	लुटना	बच्चना
बाजार	बजार	हाट	हाट	हाटुम	बजार	बाजार, हाट
कंधा	खाँध	ऐटा	खांद	हट्टा	खांद	खेसेर
झोला	झोरा	झोरा	झोला/झोरा	जोरा	झोरा	थईला
करीब	लक्ठा	साठ	लगे	हेरे	लिघे	हेद्दे
दृश्य	दिरिस	उड़ाना	नजर	हूड़ाना, ओहनह आयना	दिरिस	एथेरना
सज्जन	भले मनखे	नलोटोर	नंगत मनुक	सोराना	सियान	दौआलस
मुकाबला	मुकाबला	मुंडासुड़ा	हारा–जीता	लड़े मायना	मुकाबला	अपटा
सीख	सीख	सीख मायना	सिखया	कर्रिया	सीख	सिखाबअना
दुनिया	दुनिया	दुनिया	सँवसार	बूम, दुनिया	संसार	दुनिया